मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 175
बुधवार, 07 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मतदाता सूची का एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकारः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 06 जनवरी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसके पास मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का पूरा अधिकार और क्षमता है। साथ ही यह उसकी सांविधानिक जिम्मेदारी है कि कोई भी विदेशी नागरिक मतदाता के रूप में दर्ज न हो। आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष यह दलील रखी।

पीठ ने उन याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई फिर शुरू की, जिनमें बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं में आयोग की शक्तियों की सीमा, नागरिकता और मतदान के अधिकार से जुड़े सांविधानिक सवाल उठाए गए हैं। वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि संविधान के अनुसार राज्य के तीनों अंगों के सभी प्रमुख सांविधानिक पदों पर बैठे लोगों का भारतीय नागरिक होना जरूरी है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 124(3) का भी हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष सांविधानिक पदों पर नियुक्ति की एक मुख्य शर्त यह है कि व्यक्ति भारतीय नागरिक हो। द्विवेदी ने कहा, सभी अहम नियुक्तियां तभी हो सकती हैं जब व्यक्ति नागरिक हो। हमारा संविधान मुख्य रूप से नागरिक-केंद्रित है। सांविधानिक व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब संविधान 'नागरिक' शब्द का इस्तेमाल करता है, तो इसकी जांच सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में कोई भी विदेशी शामिल न हो, यह सुनिश्चित करना सांविधानिक कर्तव्य है।वरिष्ठ वकील ने कहा कि चुनाव आयोग का काम राजनीतिक दलों की बयानबाजी का जवाब देना नहीं है। उन्होंने कहा, हम राजनीतिक दलों पर टिप्पणी नहीं कर रहे। हमारा कर्तव्य सिर्फ इतना है कि मतदाता सूची में कोई विदेशी न हो। यह देखना जरूरी है कि हमारे पास यह शक्ति और क्षमता है। अपनी दलील आगे बढ़ाते हुए द्विवेदी ने एक अहम सांविधानिक सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या संविधान का अनुच्छेद 324 (जो चुनाव आयोग को चुनावों की निगरानी, दिशा और नियंत्रण की शक्ति देता है) कानून के प्रावधानों से पूरी तरह खत्म हो जाता है या इसे हर मामले में अलग-अलग देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, 325 और 326 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 16 को साथ पढ़ने पर यह नहीं कहा जा सकता कि मतदाता सूची के संशोधन के मामले में चुनाव आयोग का अधिकार खत्म हो जाता है। द्विवेदी ने कहा, यह क्षेत्र पूरी तरह बंद नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग के पास सांविधानिक अधिकार बने रहते हैं।

वेनेजुएला के समर्थन में कश्मीर की सड़कों पर हुआ जोरदार प्रदर्शन

कश्मीर, 06 जनवरी। जम्मू-कश्मीर में आज माकपा की ओर से वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिका की आक्रामक नीतियों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। पार्टी कार्यकर्ता लाल झंडों के साथ सड़कों पर उतरे और अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि अमेरिका लगातार संप्रभु देशों के आंतरिक मामलों में दखल देकर वहां की जनता की लोकतांत्रिक इच्छाओं को कुचलने का प्रयास कर रहा है।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता एमवाई तारीगामी ने किया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला पर लगाए गये आर्थिक प्रतिबंध और सैन्य हमला तथा वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करना दरअसल आम जनता के जीवन पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में दवाइयों की कमी, खाद्य संकट और आर्थिक अराजकता के लिए अमेरिका की नीतियां जिम्मेदार हैं। तारीगामी ने कहा कि यह केवल वेनेजुएला का सवाल नहीं है बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है कि किस तरह वैश्विक ताकतें अपने हितों के लिए देशों को बंधक बना रही हैं।

प्रदर्शनकारियों ने साथ ही कहा कि अमेरिका लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में सत्ता परिवर्तन की साजिशें रचता रहा है। सीपीआईएम नेताओं ने केंद्र सरकार से भी मांग की कि वह अमेरिकी दबाव से दूर रहकर स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए और वेनेजुएला के लोगों के साथ एकजुटता प्रकट करे। हम आपको बता दें कि यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा लेकिन नारों और भाषणों में गहरी नाराजगी साफ दिखाई दी। माकपा कार्यकताओं ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश को यह अधिकार नहीं है कि वह दूसरे देश की तकदीर तय करे।

देखा जाये तो यह विरोध उस गुस्से की अभिव्यक्ति थी जो आज दुनिया भर में अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ उबल रहा है। वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता कोई नई कहानी नहीं है। दशकों से अमेरिका उन देशों को सजा देता आया है जो उसकी नीतियों के सामने सिर झुकाने से इंकार करते हैं।

पंजाब सीमा पर बीएसएफ पुलिस का 'ऑपरेशन क्लीन', पाकिस्तान से आई 20 किलो हेरोइन जब्त, 4 गिरफ्तार

पंजाब, 06 जनवरी। पंजाब में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर रेंज के साथ संयुक्त अभियान में एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप 19.980 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई और आपूर्ति श्रृंखला का संचालन करने वाले मुख्य संचालक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।प्रारंभिक जांच के अनुसार, पंजाब पुलिस ने खुलासा किया कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों से जुड़े थे और राज्य के कई जिलों में मादक पदार्थों की खेप की डिलीवरी और वितरण का समन्वय करते थे।

मादक औषधि एवं मनोरोगी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और आपूर्ति मार्गों का पता लगाने, अतिरिक्त संचालकों की पहचान करने और पूरे नेटवर्क को निष्क्रिय करने के लिए आगे की जांच जारी है। सीमा पार तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए, सीमा रेंज स्थित एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में 19.980 किलोग्राम हेरोइन बरामद की और आपूर्ति श्रृंखला का संचालन करने वाले मुख्य कर्मी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों से जुड़े हुए हैं और पूरे क्षेत्र में मादक पदार्थों की खेप की डिलीवरी और वितरण का समन्वय कर रहे थे। एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और सीमा पार तस्करों की पहचान करने, आपूर्ति मार्गों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क को नष्ट करने के लिए जांच जारी है।

सामने आई उस्मान हादी की हत्या की वजह, बांग्लादेश पुलिस ने जारी किया बयान

ढाका/नई दिल्ली, 06 जनवरी। बांग्लादेश पुलिस ने मंगलवार को छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या की वजह का खुला किया। पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा कि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या राजनीतिक प्रतिशोध के कारण अवामी लीग के इशारे पर की गई थी। उसने बताया कि पुलिस ने हादी की हत्या के सिलसिले में 17 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप पत्र दायर किए हैं। समाचार पोर्टल ह्यटीबीएस न्यूज डॉट नेट' ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) की खुफिया शाखा के अतिरिक्त आयुक्त मोहम्मद शफीकुल इस्लाम के हवाले से प्रसारित खबर में कहा है, हादी ने सार्वजनिक रैलियों और सोशल मीडिया के माध्यम से अवामी लीग और छात्र लीग की पिछली गतिविधियों की कड़ी आलोचना की थी। उनकी मुखर टिप्पणियों से छात्र लीग और उससे संबद्ध समूहों के नेता व कार्यकर्ता खासे नाराज थे।

छात्र लीग अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग का छात्र संगठन है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस्लाम ने ढाका में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, आरोपियों की राजनीतिक पहचान और पीड़ित के पिछले सियासी बयानों को ध्यान में रखते हुए, जांच से पता चला है कि हादी की हत्या राजनीतिक प्रतिशोध के कारण की गई थी। उन्होंने बताया कि डीएमपी ने हादी की हत्या के सिलसिले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

इंकलाब मंच' के प्रवक्ता हादी (32) बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त 2024 में हसीना के नेतृत्व वाली तत्कालीन अवामी लीग सरकार के खिलाफ आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए थे। उन्हें पिछले साल 12 दिसंबर को ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मार दी गई थी। हादी बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उम्मीदवार भी थे। उन्हें इलाज के लिए हवाई मार्ग से सिंगापुर ले जाया गया था। हालांकि, 18 दिसंबर 2025 को हादी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस्लाम ने बताया कि कथित शूटर फैजल करीम मसूद छात्र लीग से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ था।

उन्होंने बताया कि हादी की हत्या के बाद मसूद और एक अन्य प्रमुख संदिग्ध आलमगीर शेख की भागने में मदद करने का आरोपी तैजुल इस्लाम चौधरी बप्पी पल्लबी थाना छात्र लीग' का अध्यक्ष और अवामी लीग द्वारा मनोनीत वार्ड पार्षद था। इस्लाम के मुताबिक, हादी की हत्या के सिलसिले में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने सोमवार को सचिवालय में कानून-व्यवस्था संबंधी सलाहकार परिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया था कि हादी हत्याकांड में अंतिम आरोपपत्र सात जनवरी को दाखिल किया जाएगा। हालांकि, पुलिस ने हादी के लिए इंसाफ की मांग को लेकर ढाका में ह्यइंकलाब मंच' के विरोध-प्रदर्शनों के बीच एक दिन पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर दिया।

अन्नाद्रमुक ने डीएमके सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, राज्यपाल से की न्यायिक जांच की मांग

तमिलनाडु, 06 जनवरी। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पाडी पलानीस्वामी ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि 2021 से अब तक हुए कथित भ्रष्टाचार की एक विस्तृत सूची उन्होंने राज्यपाल को सौंपी और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। पलानीस्वामी का कहना है कि पिछले साढ़े चार वर्षों में कई सरकारी विभागों में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनहित के कार्य करने के बजाय एक व्यापारिक संस्था की तरह काम कर रही है। विपक्ष के नेता ने दावा किया कि

उनके पास इन आरोपों को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त सबूत उपलब्ध हैं, जिन्हें राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है।उन्होंने पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान हुए वित्तीय नुकसान का विवरण देते हुए कहा कि सरकार हर साल 1 लाख करोड़ रुपये का कर्ज ले रही है। साथ ही, उन्होंने पीटीआर की उस कथित ऑडियो क्लिप का भी हवाला दिया जिसमें भारी भरकम रकम के लेन-देन का जिक्र था। उन्होंने दावा किया कि राज्य की शासन व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया है कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक जांच आयोग का गठन किया जाए। नेता ने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष होने के नाते उनका कर्तव्य जनता के सामने सच्चाई आए। उनके अनुसार, डीएमके सरकार ने जनता के हित में कार्य करने के बजाय केवल सत्ता का दुरुपयोग किया है, इसलिए इन व्यापक घोटालों की गहराई से जांच होना अनिवार्य है।

अमर्त्य सेन को एसआईआर नोटिस भेजा गया, चुनाव आयोग अभिषेक बनर्जी ने साधा निशाना

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुनवाई के लिए नोटिस भेजकर चुनाव आयोग बंगाल के नागरिकों को निशाना बना रहा है। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और अभिनेता-राजनेता देव को भेजे गए एसआईआर नोटिस का जिक्र करते हुए अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री को भी चुनाव आयोग के समक्ष तलब किया गया है।

विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुग: बदली सोच, उभरी शक्ति

-ललित गर्ग

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही

किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105: 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है। सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह “बाहरी शक्ति” है-भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है। इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को “सहायता पाने वाली नहीं, बल्कि “निर्णय लेने वाली” बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ-सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है। यदि यह गति बनी रही, तो देश की बालिकाएँ न केवल अपना परचम फहराएँगी, बल्कि मानव सभ्यता को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित दिशा भी देंगी। यही सृष्टि का स्वाभाविक और आवश्यक संतुलन है।

राम रहीम को 15वीं बार पैरोल पर उठते सवाल

-अजय कुमार

हरियाणा के रोहतक स्थित सुनारिया जेल में बलात्कार और हत्या के गंभीर आरोपों में 20 साल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को 15वीं बार पैरोल मंजूर कर दी गई है। इसके तहत वह करीब 40 दिनों के लिए जेल से बाहर सिरसा डेरा में रहेंगे। 2017 में सजा मिलने के बाद अब तक यह सबसे निरंतर और लंबा पैरोल सिलसिला है, जिसने न केवल न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि पीड़ित परिवारों और समाज में नाराजगी भी पैदा की है गुरमीत राम रहीम ने सोमवार को जेल से बाहर आते ही अपने समर्थकों के स्वागत में पहुंचीं बड़ी संख्या में गाड़ियों के काफिले के बीच सिरसा डेरा सच्चा सौदा के लिए प्रस्थान किया। पैरोल अवधि के दौरान वह वहीं रहेंगे। रिकॉर्ड्स के अनुसार, 2017 से अब तक वह कुल 405 दिन से अधिक समय जेल से बाहर रह चुके हैं। यानी सिर्फ 8 साल और 4 महीने की सजा में उन्होंने लगभग एक पूरा साल जेल की सुरक्षा से बाहर गुजारा है।पहली बार उन्हें 24 अक्टूबर 2021 को बीमार मां से मिलने के लिए सिर्फ एक दिन की पैरोल दी गई थी। इसके बाद 21 मई 2021 को भी मां की बीमारी के कारण एक दिन की पैरोल मिली। लेकिन तीसरी बार, 7 फरवरी 2022, उन्हें 21 दिन के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति मिली, उस समय पंजाब में विधानसभा चुनाव चल रहे थे। चौथी बार 17 जून 2022, उन्हें 30 दिन के लिए पैरोल मिली, हरियाणा में निकाय चुनाव के दौरान। पांचवीं बार 15 अक्टूबर 2022 को उन्हें 40 दिन के लिए जेल से बाहर रहने की अनुमति मिली, उसी दौरान आदमपुर उपचुनाव था।

इसके बाद भी सिलसिला लगातार चलता रहा। छठी बार 21 जनवरी 2023 को शाह सतनाम जयंती के मौके पर 40 दिन, सातवीं बार 20 जुलाई 2023 को जन्मदिन के समय 30 दिन, आठवीं बार 21 नवंबर 2023 को राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान 21 दिन, नौवीं बार 19 जनवरी 2024 को लोकसभा चुनाव के समय 50 दिन, दसवीं बार 13 अगस्त 2024 को जन्मदिन के आसपास 21 दिन, ग्यारहवीं बार 1 अक्टूबर 2024 हरियाणा चुनाव में 21 दिन, बारहवीं बार 28 जनवरी 2025 दिल्ली विधानसभा चुनाव के समय 30 दिन, तेरहवीं बार 9 अप्रैल 2025 डेरा सच्चा सौदा स्थापना दिवस के मौके पर 41 दिन, चौदहवीं बार 5 अगस्त 2025 जन्मदिन के आसपास 40 दिन और अब पंद्रहवीं बार 3 जनवरी 2026 को 40 दिन के लिए पैरोल मिली है। लगातार पैरोल सिलसिले को देखकर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या बलात्कार और हत्या जैसे गंभीर अपराध में सजायाफ्ता के प्रति प्रशासन और सरकार की नरमी का कारण राजनीतिक दबाव या सामाजिक स्थिति है। पैरोल नियमों के अनुसार कैदी को केवल परिवार में मौत, गंभीर बीमारी, करीबी की शादी या किसी अन्य अत्यावश्यक मानवीय कारण से ही अस्थायी रूप से जेल से बाहर आने की अनुमति मिल सकती है। लेकिन गुरमीत राम रहीम को जन्मदिन, चुनाव या धार्मिक आयोजन जैसे अवसरों में बार-बार जेल से बाहर भेजा जाना नियमों की सीमाओं को परे है।

सामाजिक संगठनों और पीड़ित परिवारों ने इस बार-बार की पैरोल की अनुमति को न्यायिक मर्यादाओं के विरुद्ध बताया है। ज्ञानी राम सिंह खालसा ने इसे जख्मों पर नमक छिड़कने के समान बताया। उनका कहना है कि सरकार लंबे समय से जेलों में बंद सिख कैदियों की रिहाई के मुद्दे पर चुप है, लेकिन बलात्कारी गुरमीत राम रहीम को लगातार पैरोल मिल रही है, जिससे समाज और समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है।इस सिलसिले के आँकड़े भी हैरान कर देने वाले हैं। आठ साल और चार महीने की सजा में गुरमीत राम रहीम कुल 387 दिन जेल से बाहर रह चुके हैं। यानी वह इस सजा का एक वर्ष से अधिक समय जेल की दीवारों से दूर गुजार चुके हैं। वहीं, आसाराम बापू को जेल से बाहर आने में एक दशक से अधिक समय लग गया और उन्हें हाल ही में मेडिकल ग्राउंड पर छह महीने की अंतरिम जमानत मिली। कुलदीप सेंगर को बलात्कार के लिए उम्रकैद मिली थी, जिसे हाईकोर्ट ने सस्पेंड किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पलट दिया। इस तुलना से यह स्पष्ट होता है कि गुरमीत राम रहीम को दी जाने वाली रियायत असाधारण और विवादास्पद है।सामाजिक और राजनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि पैरोल का बार-बार मिलना केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसमें राजनीतिक और सामाजिक कारणों का असर भी देखा जा सकता है। चुनाव के समय, जन्मदिन या धार्मिक आयोजन के मौके पर पैरोल देना न्याय व्यवस्था की पारदर्शिता और समानता पर सवाल खड़ा करता है।

पारिवारिक और मानवीय कारणों से पैरोल दी जाती है, लेकिन राजनीतिक अवसरों और व्यक्तिगत उत्सवों के लिए बार-बार पैरोल देना न्याय और समाज के लिए गंभीर चुनौती है।इससे पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ती है, और यह संदेश जाता है कि समाज में कुछ लोग कानून से अलग विशेषाधिकार पा सकते हैं।गुरमीत राम रहीम के बार-बार जेल से बाहर आने के सिलसिले ने यह भी उजागर किया कि सजा का वास्तविक अर्थ और जेल का उद्देश्य क्या है, इसे आम जनता और पीड़ित परिवार सही ढंग से नहीं समझ पा रहे हैं। अदालत और प्रशासन के निर्णयों में समानता और पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि न्याय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखा जा सके। सामाजिक दृष्टि से यह भी देखा गया है कि ऐसे अपराधियों के बार-बार जेल से बाहर आने से समुदायों की भावनाएं आहत होती हैं और समानता का संदेश कमजोर होता है। कई लोग कहते हैं कि अगर पैरोल केवल कानूनी औचित्य के आधार पर दी जाए, तो न्याय की मर्यादा और समाज में विश्वास दोनों बनाए रखा जा सकता है। इस बार-बार पैरोल मिलने के सिलसिले ने यह साबित कर दिया है कि पैरोल केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक और मानवीय बहस का विषय बन गई है। न्यायपालिका और प्रशासन को इसे और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाना चाहिए, ताकि किसी भी अपराधी को विशेषाधिकार प्राप्त न हो और सभी पीड़ितों को न्याय मिले।

सड़क दुर्घटना मुआवजा और संविधान : आय से परे मानवीय गरिमा की तलाश

-प्रियंका सौरभ

सड़क दुर्घटना मुआवजे की तकनीकी व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान के मूल दर्शन–समता, गरिमा और कल्याणकारी राज्य–से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत में हर वर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और इनमें हजारों लोग अपनी जान गंवाते हैं या स्थायी रूप से अपंग हो जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में मुआवजा केवल आर्थिक राहत नहीं होता, बल्कि यह राज्य द्वारा पीड़ित के जीवन-मूल्य को स्वीकार करने और उसकी गरिमा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास भी होता है। मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत वर्तमान मुआवजा प्रणाली मुख्यतः आय-आधारित है, जो पहली दृष्टि में तर्कसंगत लग सकती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह संवैधानिक मूल्यों के साथ कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

मोटर वाहन अधिनियम में अपनाई गई मल्टीप्लायर पद्धति पीड़ित की आय, आयु और आश्रितों की संख्या के आधार पर मुआवजा निर्धारित करती है। इसका उद्देश्य यह माना गया कि दुर्घटना से पूर्व जिस आर्थिक स्थिति में परिवार था, उसे यथासंभव पुनर्स्थापित किया जा सके। किंतु इस पद्धति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह मनुष्य के जीवन को उसकी बाजार-योग्यता से जोड़ देती है। एक उच्च वेतन पाने वाले व्यक्ति की मृत्यु या अपंगता पर लाखों या करोड़ों रुपये का मुआवजा तय होता है, जबकि एक दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक या असंगठित क्षेत्र के श्रमिक के लिए यह राशि बहुत कम होती है। इस प्रकार कानून अनजाने में यह संदेश देता है कि किसी व्यक्ति का जीवन उसकी आय के अनुपात में अधिक या कम मूल्यवान है।

यह दृष्टिकोण सीधे-सीधे संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित “कानून के समक्ष समानता” के सिद्धांत को चुनौती देता है। अनुच्छेद 14 केवल समान व्यवहार की बात नहीं करता, बल्कि यह मनमाने और असंगत वर्गीकरण पर रोक भी लगाता है। जब दो नागरिक समान परिस्थितियों में सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं, लेकिन केवल आय के आधार पर उनके जीवन का मूल्य अलग-अलग तय किया जाता है, तो यह एक प्रकार का संवैधानिक विरोधाभास उत्पन्न करता है। राज्य एक ओर सभी नागरिकों को समान मानता है, दूसरी ओर मुआवजे के स्तर पर उनके बीच आर्थिक हैसियत के आधार पर भेद करता है।

इस व्यवस्था का सबसे गंभीर प्रभाव उन वर्गों पर पड़ता है जिनकी आय औपचारिक रूप से दर्ज नहीं होती या जिन्हें अर्जक ही नहीं माना जाता। गृहिणियाँ, बच्चे, वृद्ध और छात्र अक्सर काल्पनिक आय के आधार पर मुआवजा प्राप्त करते हैं। यह काल्पनिक आय वास्तविक सामाजिक योगदान को प्रतिबिंबित नहीं करती। एक गृहिणी का श्रम घर के भीतर अदृश्य रहता है, लेकिन वह परिवार और समाज की आर्थिक संरचना को संभालने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने किर्ति बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस (2021) जैसे मामलों में यह स्पष्ट किया है कि गृहिणी का कार्य केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि आर्थिक मूल्य भी रखता है। इसके बावजूद, व्यवहार में मुआवजे की गणना में यह योगदान अभी भी पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं होता।

आय-आधारित मुआवजा प्रणाली का एक और संवैधानिक आयाम अनुच्छेद 21 से जुड़ा है, जो “जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता” के अधिकार की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया है कि जीवन का अर्थ केवल शारीरिक अस्तित्व नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन है। जब किसी व्यक्ति की मृत्यु या अपंगता के बाद उसका जीवन-मूल्य केवल गणितीय सूत्रों और आय-स्लैब तक सीमित कर दिया जाता है, तो यह उसकी अंतर्निहित गरिमा को कमतर आँकने जैसा प्रतीत होता है। जीवन को केवल आर्थिक हानि के चश्मे से देखना उस संवेदनशील पीड़ा, मानसिक आघात और सामाजिक असुरक्षा को नजरअंदाज करता है, जिसका सामना पीड़ित परिवार को करना पड़ता है।

इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि न्यायसंगत मुआवजा की अवधारणा स्वयं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यापक अर्थों में व्याख्यायित की गई है। न्यायालय ने माना है कि मुआवजा केवल आय-हानि की भरपाई नहीं, बल्कि भावनात्मक क्षति, मानसिक वेदना और भविष्य की अनिश्चितता के लिए भी होना चाहिए। फिर भी, मौजूदा कानूनी ढांचा इन अमूर्त पहलुओं को पर्याप्त स्थान नहीं देता। परिणामस्वरूप, मुआवजा प्रक्रिया अक्सर एक यांत्रिक गणना बनकर रह जाती है, जिसमें मानवीय संवेदना का अभाव दिखाई देता है। यदि हम अन्य परिवहन कानूनों से तुलना करें, तो यह असमानता और भी स्पष्ट हो जाती है। रेलवे अधिनियम और विमानन से जुड़े कानूनों में दुर्घटना की स्थिति में एक समान, निश्चित मुआवजा निर्धारित है, जो पीड़ित की आय या सामाजिक स्थिति से स्वतंत्र होता है। उदाहरण के लिए, रेलवे दुर्घटनाओं में मृत्यु पर एक निश्चित राशि दी जाती है। यह व्यवस्था यह स्वीकार करती है कि सुरक्षा का अधिकार और जीवन का मूल्य सभी नागरिकों के लिए समान है। सड़क परिवहन क्षेत्र में इस तरह की एकरूपता का अभाव यह प्रश्न उठाता है कि क्या भारत में “सुरक्षा” का अधिकार परिवहन माध्यम के अनुसार बदल जाता है।

एक कल्याणकारी राज्य में राज्य की भूमिका केवल न्यायालयों के माध्यम से विवाद निपटाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक नागरिक को न्यूनतम गरिमा के साथ जीवन और मृत्यु दोनों में संरक्षण मिले। इस दृष्टि से सड़क दुर्घटना मुआवजा प्रणाली में सुधार समय की आवश्यकता है। सबसे पहले, एक उच्च और अनिवार्य न्यूनतम मुआवजा राशि तय की जानी चाहिए, जो नो-फॉल्ट लायबिलिटी के सिद्धांत पर आधारित हो। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आय चाहे कुछ भी हो, प्रत्येक पीड़ित परिवार को एक सम्मानजनक आधारभूत सहायता मिले। इसके साथ ही, गैर-अर्जक वर्गों के योगदान का यथार्थवादी मूल्यांकन किया जाना चाहिए। गृहिणियों, बच्चों और वृद्धों के लिए मुआवजा निर्धारित करते समय केवल काल्पनिक आय के बजाय उनके सामाजिक, देखभाल और भावनात्मक योगदान को भी महत्व दिया जाना चाहिए। यह सुधार न केवल लैंगिक न्याय की दिशा में कदम होगा, बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं के अधिक निकट भी होगा। मुद्रास्फीति और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को देखते हुए मुआवजा राशियों का समय-समय पर स्वचालित संशोधन भी आवश्यक है। वर्तमान में नोटशनल इनकम और अन्य पारंपरिक मदों की राशि वर्षों तक अपरिवर्तित रहती है, जिससे उनका वास्तविक मूल्य घटता जाता है। एक गतिशील व्यवस्था, जो आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को समायोजित कर सके, अधिक न्यायसंगत होगी। इसके अतिरिक्त, मुआवजा प्रणाली को केवल मृत्यु के बाद भुगतान तक सीमित नहीं रखना चाहिए। दुर्घटना के तुरंत बाद मिलने वाली चिकित्सा सहायता और नकद-रहित उपचार की व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। “गोल्डन आवर” में समय पर इलाज कई जानें बचा सकता है। हाल के वर्षों में शुरू की गई नकद-रहित उपचार योजनाएँ इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं, लेकिन इन्हें और व्यापक तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। अंततः, सड़क दुर्घटना मुआवजे का प्रश्न केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता और संवैधानिक दृष्टि का भी है। यदि हम मनुष्य के जीवन को केवल उसकी आय से तौलते हैं, तो हम अनजाने में सामाजिक असमानताओं को कानूनी मान्यता दे देते हैं। एक सच्चा कल्याणकारी राज्य वह होता है जो यह स्वीकार करे कि हर जीवन समान रूप से मूल्यवान है, चाहे वह किसी कॉर्पोरेट कार्यालय में काम करने वाला हो या सड़क किनारे मेहनत करने वाला मजदूर। आय-आधारित गणना को पूरी तरह समाप्त करना संभव न भी हो, तो कम से कम उसे एक समान, गरिमापूर्ण आधारभूत मुआवजे के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। इस प्रकार, नुकसान के अंकगणित को न्याय की नैतिकता के अधीन करना ही भारतीय संविधान की आत्मा के अनुरूप होगा। सड़क दुर्घटना मुआवजा प्रणाली में ऐसे सुधार न केवल अनुच्छेद 14 और 21 के मूल्यों को सुदृढ़ करेंगे, बल्कि नागरिकों के राज्य पर विश्वास को भी गहरा करेंगे। एक ऐसी व्यवस्था, जो हर जीवन को समान सम्मान दे, वास्तव में लोकतांत्रिक और कल्याणकारी भारत की पहचान होगी।

क्या राष्ट्रनिर्माण के लिए मिट जाने वाले अतीत को अब भुला देना चाहिए?

-विक्रम दयाल

अतीत की गलतियों और संघर्षों को भूलकर, हमें वर्तमान और भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकते हैं। सामाजिक सद्भावना: अतीत की गलतियों को भूलने से सामाजिक सद्भावना और एकता को बढ़ावा मिल सकता है। अतीत मैं फंसे रहने से प्रगति बाधित हो सकती है। इसलिए अतीत को भूलकर आगे बढ़ना आवश्यक है। अतीत कि गलतियों को भूलने से हम उनसे सीख नही सकते और भविष्य मैं फिर से वही गलतियाँ कर सकते हैं।इसलिए अतीत की गलतियों को याद रखें, लेकिन उन्हें भूलकर आगे बढ़े। राष्ट्र निर्माण के लिए अतीत की गलतियों को

भूलकर वर्तमान और भविष्य पर ध्यान केंद्रित करें। आजादी के लिए प्राण निछावर करने वाले क्रांतिकारियों और सहयोग देनेवाले नेताओं को याद करना भी बहुत जरूरी है। स्मृति और आदर: इन क्रांतिकारियों और नेताओं ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण निछावर किए, इसलिए उन्हें याद करना और आदर देना हमारा कर्तव्य है। प्रेरणा: इन क्रांतिकारियों और नेताओं की कहानियाँ हमें प्रेरित करती है और हमें देश के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती हैं। इतिहास की पुनरावृत्ति: इन क्रान्तिकारियों और नेताओं को याद करने से हम इतिहास की पुनरावृत्ति को समझ सकते हैंऔर भविष्य में फिर से गलतियाँ नही कर सकते। राष्ट्र निमार्ण: इन क्रांतिकारियों और नेताओं के आदर्शों को याद करके हम राष्ट्र निर्माण में योगदान कर सकते हैं। आजादी के लिए मिटने वाले वीरों में महात्मा गांधी: भारत की आजादी के मुख्य नेता, सत्य और अहिंसा के लिए विश्व प्रसिद्ध। भगत सिंह: देश से लिए एक करिश्माई भारतीय क्रांतिकारी, जिन्होंने अंग्रेज अधिकारी सैंडर्स की हत्या करके युवाओं में आजादी की

भावना प्रबल की। सुभाष चंद्र बोस: नेताजी के नाम से पहचान रखने वाले, आजाद हिंद फौज का गठन किया और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रानी लक्ष्मीबाई: झांसी की रानी, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया और अपनी सहादत दी। चंद्रशेखर आजाद: भारतीय विद्या भवन के संस्थापक, जिन्होने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपनी सहादत दी। राजगुरू और सुखदेव: भगत सिंह के साथी जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपनी सहादत दी। लाला लाजपत राय: आजादी के लिए युवाओं को जगाने वाले प्रमुख युवा नेता। तात्या टोपे: 1857 के विद्रोह के प्रमुख नेता। मंगल पांडे: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले क्रांतिकारी। अशफाक अल्ला खां: काकोरी कांड में शामिल प्रमुख क्रांतिकारी। आजादी मिलने के बाद आज देश की सद्भावना, समरसता क्षीण होती जा रही है। जो एक गंभीर चिंता का विषय है। राजनीति और धर्म के बीच बढ़ते संबंधों ने समाजिक समरसता को चुनौती दी है। सांप्रादायिक हिंसा, धार्मिक ध्रुवीकरण, और वोट बैंक की राजनीति ने समाज में अविश्वास और तनाव बढ़ाया है। सद्भावना जैसे आयोजन लोगों को एकसाथ लाने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि मतभेदों से बावजूद, हम एक हैं, एक राष्ट्र हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठनों ने सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए काम किया है। उनके प्रयासों से समाज में एकता और भाईचारे की भावना बढ़ी है। देश के लोगों में प्यार, मोहब्बत, भईचारा लाने के लिए सरकार को कई कदम उठाने चाहिए। जैसे शिक्षा में बदलाव: शिक्षा प्रणाली में साम्प्रदायिक सद्भावना और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने वाले विषयों को शामिल करना चाहिए। सामाजिक कार्यक्रम: सरकार को सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए । मीडिया का उपयोग: सरकार को मीडिया का उपयोग करके सद्भावना और भाईचारे के संदेश को फैलाना चाहिए। धार्मिक नेताओं की भूमिका: सरकार को धार्मिक नेताओं को शामिल करके सद्भावना और भाईचारे के संदेश को फैलाने के लिए काम करना चाहिए। सामाजिक न्याय: सरकार को सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए, जिससे सभी समुदायों के लोगों को समान अवसर मिले। युवा कार्यक्रम: सरकार को युवा कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए, जिससे युवाओं को सद्भावना और भाईचारे के बारे में जागरूक किया जा सके। सामुदायिक विकास: सरकार को सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए, जिससे विभिन्न समुदायों के लोग एकसाथ मिलकर काम करें। संवाद और संचार: सरकार को संवाद और संचार को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए, जिससे लोगों के बीच समझ और विश्वास बढ़े।

निरंतर श्रम,संयम और संकल्प लक्ष्य प्राप्ति के सच्चे और मौन साधक

संजीव ठाकुर

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं’ जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

भिवंडी महानगर पत्रकार संघ द्वारा आचार्य बालशास्त्री जांभेकर को पुष्पहार अर्पित कर किया गया अभिवादन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगर पत्रकार संघ द्वारा मराठी पत्रकार दिवस के अवसर मनपा मुख्यालय स्थित पत्रकार कक्ष में मराठी पत्रकारिता के जनक दर्पणकार आचार्य बालशास्त्री जाभेकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया गया । इस अवसर पर पत्रकारों को शुभकामनाएँ देने के लिए मनपा के जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी ने उपस्थित होकर आचार्य बालशास्त्री जांभेकर को अभिवादन कर पत्रकारों को शुभकामनाएँ दिये । इस अवसर पर ओमकार पवार के साथ संघ के अध्यक्ष संजय भोईर, वरिष्ठ पत्रकार फारूक मेमन, शरद भसाले , नितिन पंडित, अशोक गुप्ता, महेन्द्र सरोज, मोनीष गायकवाड़, अभिजीत हिरे, अनिल वर्मा, भूपेन्द्र अंबावणे, अब्दुल गनी खान , फहीम अंसारी, अनिल गजरे, आचार्य सूरजपाल यादव, दीपक विश्वकर्मा, आमिर आजमी, सुल्तान कुरेशी, नकी हसन, सोहराब शेख, बाबूराव करी आदि लोग उपस्थित थे ।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा सप्ताह का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शिव ही सत्य है और सत्य ही सुंदर है। इस दिव्य संदेश के साथ औघड़दानी भगवान शिव की महिमा पर आधारित शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का विधिवत शुभारंभ सोमवार 5 जनवरी को बोईसर शहर में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस सात दिवसीय धार्मिक आयोजन का आयोजन सामाजिक संस्था राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ, पालघर इकाई के तत्वावधान में किया गया है। कार्यक्रम में सुबह 10.30 बजे नगर परिक्रमा हेतु निकली भव्य कलश शोभायात्रा से हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु महिलाओं एवं शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा ने पूरे बोईसर क्षेत्र को हर-हर महादेव के जयघोष से शिवमय कर दिया। यह आयोजन नं. गंगोत्री होटल के सामने, सालवड स्थित चिल्ड्रेन पार्क में शिव-हनुमान मंदिर के समीप निर्मित भव्य पंडाल में संपन्न हो रहा है। शिव महापुराण कथा का रसपान तीर्थराज प्रयागराज से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. नरेंद्र नाथ व्यास जी के पावन सानिध्य में कराया जा रहा है। आयोजकों ने जानकारी दी कि 5 जनवरी से 11 जनवरी तक प्रतिदिन सायं 7.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक शिव महापुराण की महिमा, शिव तत्व का गूढ़ ज्ञान एवं जीवनोपयोगी उपदेश श्रद्धालुओं को प्रदान किये जायेंगे। वहीं 12 जनवरी सोमवार को प्रातः हवन-पूजन के पश्चात महाभंडारे का आयोजन किया जायेगा। इसी दिन सायंकाल श्री खाटू श्याम एवं गौमाता के नाम समर्पित गौकृपि डॉ. ओम मुंडेल की विराट भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्तिरस का भरपूर आनंद लेंगे। विशेष आकर्षण के रूप में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन एवं उनके महत्व की जानकारी शिवभक्तों के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रमुख पदाधिकारी ललित माली, यजुर्वेद सावे, एस.एस. तिवारी, रोहित सिंह, लक्ष्मण वेदाडे, मुकेश पिंपले सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

सावित्रीबाई फुले जयंती पर विशेष व्याख्यान, विद्यार्थियों को मिला प्रेरणादायी मार्गदर्शन

पालघर (उत्तरशक्ति)। क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को उनके महान कर्तृत्व और विचारों से अवगत कराने के उद्देश्य से शनिवार 03 जनवरी 2026 को जीवन विकास संस्था की अनुदानित आश्रम शाला, शिगांव में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाजसेविका डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। अपने प्रेरणादायी व्याख्यान में डॉ. मालवदे ने क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले द्वारा स्त्री शिक्षा, समाज सुधार और महिला सशक्तिकरण के लिए किये गये ऐतिहासिक संघर्ष और योगदान को विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व, समानता और सामाजिक जागरूकता के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। उनके विचारोत्तेजक मार्गदर्शन से विद्यार्थियों में नई चेतना और प्रेरणा का संचार हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में माध्यमिक विभाग के मुख्याध्यापक चौधरी सर ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार पुष्पगुच्छ और वारली पेंटिंग से बने ग्रीटिंग कार्ड भेंट कर डॉ. मालवदे का स्वागत किया।

सर्दियों में कैसे रखें अपने दांतों का ख्याल – डॉ. सोनिया दत्ता की सलाह

मुंबई/पटना। सर्दियों में आपके मुंह में अक्सर कई बदलाव आते हैं। इस मौसम में दांतों में झनझनाहट बढ़ जाती है, मुँह खुश्क होने लगती हैं, कई बार मसूड़ों में जलन या परेशानी होती है। और अक्सर इस तरह के लक्षणों का असर तब महसूस होता है जब गरम चाय का घूंट भरते ही सेंसिटिविटी का अहसास होता है। सर्दियों में सेंसिटिविटी क्यों बढ़ जाती हैः ठंडी हवाओं के कारण आपके दांतों का इनेमल सिकुड़ने लगता है। यह बदलाव मामूली होता है, लेकिन इसकी वजह से दांतों की भीतरी परत हवा के संपर्क में आ जाती है। इसी कारण अचानक तापमान बदलने, गरम चीज पीने या ठंड से सेंसिटिविटी का अहसास होता है।

वरिष्ठ पत्रकार योगेंद्र सिंह ठाकुर उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। पत्रकारिता दिवस के अवसर पर सकारात्मक और संवेदनशील पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दैनिक भास्कर के लोकप्रिय कॉलम मंडे पॉजिटिव को पालघर जिला पत्रकार संघ की ओर से वर्ष 2025 का उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान वरिष्ठ पत्रकार योगेंद्र सिंह ठाकुर को दिया गया। पालघर में आयोजित गरिमामय समारोह में प्रख्यात पत्रकार, लेखक एवं शोधकर्ता मीना मेनन तथा वरिष्ठ लेखक व मीडिया विशेषज्ञ वेंकट अय्यर के करकमलों से योगेंद्र सिंह ठाकुर को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस पुरस्कार के लिए एक बकायदा चयन समिति गठित की गई थी, जिसमें मराठी भाषा विभागाध्यक्ष विवेक कुडू (दांडेकर कॉलेज), संध्या सहापुरे और उमेश कवले शामिल थे। इस अवसर पर सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष नरेंद्र पाटील, वरिष्ठ पत्रकार रमाकांत पाटील, संघ के सचिव चिटनीस श्याम आटे तथा कोषाध्यक्ष पंकज राऊत सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, लेखक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि ह्यमंडे पॉजिटिवह्ण केवल एक साप्ताहिक कॉलम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की कहानियों को सामने लाने वाला प्रभावशाली मंच बन चुका है। इस कॉलम के माध्यम से देशभर के अनेक ऐसे आम नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, नई पहल कर समाज में बदलाव लाने वाले युवा और संघर्षशील लोग पाठकों के सामने आए, जिन्हें पहले कोई पहचान या मंच नहीं मिल पाया था। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि दैनिक भास्कर का मंडे पॉजिटिव पाठकों के बीच आशा, प्रेरणा और सकारात्मक सोच का संचार करता है, जो आज की पत्रकारिता की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सम्मान स्वीकार करते हुए योगेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि यह पुरस्कार मेरे लिए व्यक्तिगत सम्मान से कहीं अधिक उन सभी सकारात्मक प्रयासों की पहचान है, जो समाज को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। मंडे पॉजिटिव की सफलता के पीछे दैनिक भास्कर के संपादक और पूरी संपादकीय टीम का सहयोग, विश्वास और सकारात्मक सोच रही है। यह सम्मान उस पूरी टीम को समर्पित है, जो ऐसी प्रेरणादायी कहानियों को पाठकों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत रहती है। मंडे पॉजिटिव आगे भी उम्मीद और प्रेरणा की कहानियों को सामने लाता रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं और अतिथियों ने दैनिक भास्कर के ह्यमंडे पॉजिटिवह्ण कॉलम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कॉलम न केवल सकारात्मक खबरों को सामने लाता है, बल्कि समाज में अच्छा कार्य करने वाले लोगों को पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बन चुका है। वक्ताओं के अनुसार मंडे पॉजिटिव ने कई ऐसी प्रेरक कहानियों को पाठकों तक पहुंचाया है, जिन्होंने आम लोगों को कुछ नया और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया है। यह कॉलम आज की पत्रकारिता में सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रभावशाली उदाहरण है।

महेश गायकवाड, माधुरी प्रशांत काले, ज्योत्सना हुमणे, तारामती बांगर शिवसेना के उम्मीदवार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली महानगरपालिका चुनाव में प्रचार ने तेजी पकड़ ली है। पैनल क्रमांक 15 से शिवसेना के उम्मीदवारों का प्रचार जोर-शोर से जारी है। 6 जनवरी को कल्याण पूर्व के विजयनगर क्षेत्र में जोरदार प्रचार रैली निकाली गई। पैनल क्रमांक 15 से शिवसेना के संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड, माधुरी प्रशांत काले, ज्योत्सना हुमणे और तारामती बांगर शिवसेना के आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में हैं। रैली के दौरान महेश गायकवाड ने बताया कि कल्याण-डोंबिवली की जनता महायुति के साथ है, इसलिए कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका पर महायुति का ही महापौर बनेगा, बतादे की कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में शिवसेना और भाजपा दोनों ही पार्टियों ने अपना महापौर बनाने का दावा किया था, लेकिन अब दोनों पार्टियों ने मिलकर महायुति बनाई है और अब दोनों ही पक्ष युति का महापौर होगा कहने लगे हैं।

वार्ड क्रमांक 21 में जय हिंद सेना के चुनाव कार्यालय का भव्य उद्घाटन समाजसेवक रतीलाल सुमरिया के हाथों संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव की सरगर्मी अब चरम पर पहुंच चुकी है। चुनावी रणभूमि में सभी राजनीतिक दल पूरे जोश के साथ उतर चुके हैं। जगहजगह चुनावी कार्यालयों के उद्घाटन, जनसंपर्क अभियान और सभाओं के माध्यम से जनशक्ति प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 21 अंतर्गत ओसवालवाड़ी, कामतघर रोड स्थित समृद्धि अपार्टमेंट में जय हिंद सेना के चुनावी जनसंपर्क कार्यालय का भव्य उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवक रतिलाल सुमरिया के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के दौरान परिसर जय हिंद सेना के समर्थकों और कार्यकर्ताओं से खचाखच भरा रहा।

इस वार्ड से जय हिंद सेना के पैनल द्वारा चार शिक्षित उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे गए हैं। इनमें श्याम नारायण भोईर, दक्षता निलेश चौधरी, कु. सिद्धी विवेक पाटिल, कु. विराज साईनाथ पवार शामिल हैं। विशेष बात यह है कि चारों प्रत्याशी स्नातक (ग्रेजुएट) हैं और वार्ड के विकास, स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं और नागरिक समस्याओं को प्राथमिकता देने के संकल्प के साथ चुनावी ताल ठोक रहे हैं। उद्घाटन के अवसर पर समाजसेवक रतिलाल सुमरिया ने अपने संबोधन में कहा कि, ह्ववार्ड के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षित, ईमानदार और जमीनी स्तर पर काम करने वाले प्रतिनिधियों का चुना जाना आवश्यक है। जय हिंद सेना के उम्मीदवारों में यह क्षमता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।ह्व इस मौके पर नारायण चौधरी, निलेश चौधरी, विवेक चौधरी, विनोद मालदे, साईनाथ पवार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर वार्ड में जय हिंद सेना को विजयी बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान चुनावी रणनीति, घर-घर जनसंपर्क अभियान और मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने पर भी चर्चा की गई। उद्घाटन समारोह ने वार्ड क्रमांक 21 में चुनावी माहौल को और अधिक गर्मा दिया है।

विप्र फाउंडेशन ने मनाया उद्योजक वीरेंद्र तिवारी का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर में सामाजिक सेवा एवं संगठनात्मक समर्पण के प्रतीक, विप्र फाउंडेशन बोईसर के सहयोगी एवं क्षेत्र के प्रतिष्ठित उद्योजक वीरेंद्र तिवारी का जन्मदिन उनके निवास स्थान पर अत्यंत आत्मीयता, उल्लास और पारिवारिक वातावरण के बीच हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन से जुड़े विप्र बंधुओं ने एकत्र होकर केक काटा और वीरेंद्र तिवारी के प्रति अपने स्नेह, सम्मान एवं शुभेच्छाओं को भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया। पूरे आयोजन में अपनत्व, सौहार्द और भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से झलकती रही। जन्मदिवस के अवसर पर तिवारी द्वारा सभी आगंतुकों के लिए स्नेहपूर्वक जलपान की व्यवस्था की गई।

उपस्थितजनों ने उन्हें दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर उन्नति के लिए मंगलकामनाएँ दीं। वहीं अनेक शुभचिंतकों ने दूरभाष के माध्यम से अपने शुभेच्छा संदेश प्रेषित किये। कार्यक्रम के समापन पर वीरेंद्र तिवारी ने अपनी सरलता और मधुर वाणी में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विप्र बंधुओं का यह स्नेह, सम्मान और अपनत्व उनके लिए अत्यंत अमूल्य है और उन्हें सामाजिक कार्यों में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन बोईसर के प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय सहित फाउंडेशन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 23 में महायुति के चुनावी जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन कपिल पाटिल के हाथों संपन्न किया गया

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के आगामी सार्वत्रिक चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 23 के महायुति चुनावी जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन अंजूरफाटा-तडाली रोड पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल एवं विधायक महेश चौगुले के हाथों भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महायुति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में विधायक महेश चौगुले ने विश्वास जताते हुए कहा कि भिवंडी महानगरपालिका में इस बार महायुति का ही महापौर बनेगा, और इसके लिए कार्यकताओं को पूरी ताकत से मैदान में उतरने का आह्वान किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने सभा को संबोधित करते हुए सुमित पाटिल के निर्विरोध चुने जाने पर उन्हें राजनीतिक बाहुबली बताया। साथ ही वार्ड क्रमांक 23 के महायुति प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाने की जनता से अपील की। उन्होंने भाजपा-महायुति प्रत्याशी निलेश चौधरी की प्रशंसा करते हुए उन्हें धुरंधर नेता बताया और उनकी जीत का भरोसा जताया। इस उद्घाटन कार्यक्रम के माध्यम से महायुति ने वार्ड क्रमांक 23 में अपनी चुनावी रणनीति और ताकत का स्पष्ट संदेश दे दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह कार्यक्रम आने वाले चुनावी मुकाबले में महायुति की मजबूत दावेदारी को दर्शाता है।

अपराध जांच शाखा सेल 4 ने एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का किया पर्दाफाश

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। एम बी वीवी पुलिस अपराध जांच सेल 4 ने अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पदार्फाश किया है। जो वैवाहिक साइटों और अन्य सोशल मीडिया साइटों के माध्यम से संपर्क और विश्वास हासिल करके लोगों को ऑनलाइन फॉरेक्स ट्रेडिंग और गोल्ड ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए मजबूर करके उन्हें धोखा दे रहा है। दि,12/11/2025 को रात 8:30 बजे से 9:00 बजे के बीच, मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित शिव साई रेजिडेंसी लॉजिंग एंड बोर्डिंग में, जो गांव की सीमा के भीतर है, छापेमारी की गई। इस दौरान मौजे बापाने पाया कि आरोपी (1) रोशन कुमार सीताराम शेट्टी, 2 साबिर मोहम्मद खान, 3 सनद संजीव दास, 4 राहुल कुमार उर्फ कैलाश राकेश कुमार, 5 आमिर करम शेर खान ने आपस में मिलकर अवैध तरीकों से ऑनलाइन धोखाधड़ी के माध्यम से अपने बैंक खातों में धन प्राप्त करने की साजिश रची थी और इसी तरह से धन प्राप्त करने के लिए कुछ अन्य बैंक खाते भी उपलब्ध कराए थे। वे अवैध तरीकों से प्राप्त धन से वित्तीय लाभ लेकर और उसका दुरुपयोग करके सरकार को धोखा दे रहे थे। उनके खिलाफ नाइगांव पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 608/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ धारा 336(2), (3), 338, 318(4), 3(5) के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। अपराध समाधानः अपराध का दायरा व्यापक होने के कारण, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर अपराध की जांच क्राइम डिस्क्लोजर ब्रांच सेल 4 को सौंप दी गई। अपराध के आरोपी अभी भी 1 रोशन कुमार सीताराम शेट्टी, 2 साबिर मोहम्मद खान, 3) सनद संजीव दास, 4) राहुल कुमार उर्फ कैलाश राकेश कुमार, 5 आमिर करम शेरखान, 6 अभिषेक अनिल नारकर उर्फ गोपाल 7 मोहम्मद राशिद फकीर मोहम्मद बलूच उर्फ लकी हैं। अपराध के पीड़ित के खिलाफ की गई जांच में पता चला कि पीड़ित साक्षीदार से विभिन्न वैवाहिक वेबसाइटों और अन्य सोशल मीडिया साइटों के माध्यम से संपर्क किया गया, उसका विश्वास जीता गया, उसे भारी वित्तीय लाभों का लालच दिया गया, विभिन्न फर्जी वेबसाइटों के लिंक भेजे गए, ऑनलाइन फॉरेक्स ट्रेडिंग और गोल्ड ट्रेडिंग में पैसा निवेश करने के लिए विभिन्न बैंक खाते उपलब्ध कराए गए और उनमें पैसा जमा करने के लिए कहा गया। जांच में पता चला है कि पीड़ित के साथ करोड़ों रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी की गई।

इस अपराध में गिरफ्तार आरोपियों के बैंक खाते में जमा धन की जांच के दौरान निम्नलिखित अपराधों का खुलासा हुआ है। इस मामले में कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उपरोक्त 51 अपराधों में आरोपियों की संलिप्तता का खुलासा हो रहा है। गिरफ्तार आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

जांच से पता चल रहा है कि सभी आरोपी भारत के बाहर से इस रैकेट को चला रहे हैं। अब यह बात सामने आई है कि भारत के विभिन्न हिस्सों के आम नागरिकों से 200 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। क्राइम ब्रांच सेल 4 के माध्यम से इस मामले की आगे की जांच जारी है। उपरोक्त प्रदर्शन निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोईफोडे, पुलिस उपायुक्त, अपराध, मदन बल्लाल, षष्टम पुलिस आयुक्त, खुलासा, अपराध खुलासा शाखा कक्ष 4, प्रभारी, पोन. प्रमोद बडख, सपोनी प्रशांत गांगुर्डे, दत्तात्रेय सराक, सफौ मनोहर तवरे, संतोष मदाने, पो.हवा शिवाजी पाटिल, धनंजय चौधरी, प्रवीणराज पवार, हनुमंत सूर्यवंशी, रवींद्र भालेराव, विजय गायकवाड़, समीर यादव, अश्विन पाटिल, रवींद्र कांबले, संदीप शेरमाले, विकास राजपूत, सनी सूर्यवंशी, मासूब सचिन चौधरी, ये सभी अपराध प्रकटीकरण शाखा कक्ष-4.ने किया है।

मीरा रोड मे भव्य कलश यात्रा का आयोजन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में श्री दुर्गा माता चेरिटेबल सो. द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के पहले मीरा रोड मे भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें मीरा रोड के साथ साथ अन्य क्षेत्रों के भक्तों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मुख्य आयोजक महेंद्र पाण्डेय ने बताया की कलश यात्रा में भक्तों द्वारा जय श्री राम के नारों से क्षेत्र श्री राम मय हो गया। हजारों की संख्या में भक्तों ने कलश यात्रा की शुरूआत हटकेश्वर शिव मंदिर से कथा स्थल तक झूमते गाते किया। कथा मर्मग्य काशी के श्री श्री कुणाल महराज जी के मुखार बिंदु से 5 / 1/2026 सोमवार से 11 जनवरी 2026 रविवार तक श्रीमद भागवत कथा रसा स्वाद भक्त गण ले सकेंगे! 12/1/2026 को सुबह हवन एवं शाम 4 बजे से संगीतमय कार्यक्रम एवं तदुपरान्त भण्डारे का आयोजन किया गया है! डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर उद्यान के बगल, जी सी सी क्लब के पास विनय नगर, मीरा भायंदर रोड मीरा रोड पूर्व में आयोजित उपरोक्त भागवत कथा का सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए आयोजक महेंद्र पाण्डेय के साथ साथ वेद प्रकाश सिंह, राजेश सिंह, ओम प्रकाश मिश्रा. कमलेश सिंह, अविनाश दुबे, प्रमोद सिंह, उमेश पाण्डेय, देवराज यादव, अभिषेक यादव, कमलेश तिवारी, रमापति मिश्रा, कुसुमाकर पाण्डेय, शिवचंद्र भोरगीर,नागेंद्र पाण्डेय, वीरेंद्र पाण्डेय. गीता सिंह, पुष्पा उपाध्याय. अंशू सिंह, के साथ साथ श्रीमद भागवत कथा कमेटी के सभी कार्यकर्त्ता कार्यरत है! मुख्य आयोजक महेंद्र पाण्डेय ने लोगों से भारी संख्या में उपस्थित रहकर कथा का रसा स्वाद लेने का अनुरोध किया है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मेडिकल कालेज जौनपुर में टेढ़े-मेढ़े पैरों से पीड़ित बच्चों के बेहतर इलाज के लिए प्रधानाचार्य सक्रिय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के आर्थोपेडिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० उमेश सरोज के प्रयास से अनुष्का फाउंडेशन का एम०यू० प्रस्ताव प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल को दिया गया।

प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने अनुष्का फाउंडेशन का एम०ओ०यू० प्रस्ताव प्राप्त करते हुए जिला समन्वयक अंकिता श्रीवास्तव को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जौनपुर का उद्देश्य प्रत्येक मरीज को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मरीजों के साथ किसी भी प्रकार के अवैध लेन-देन अथवा अनुचित प्रक्रिया को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह चेतावनी कॉलेज प्रशासन की ओर से स्पष्ट है। मरीज हित को सर्वोपरि रखते हुए मेडिकल कॉलेज बेहतर से बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

आर्थोपेडिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० उमेश सरोज ने बताया कि टेढ़े पंजे (क्लबफुट) से पीड़ित बच्चों का हर शुक्रवार मेडिकल कॉलेज में इलाज होता है। यह सुविधा अनुष्का फाउंडेशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के सहयोग से मिलती है। क्लबफुट से बच्चों को मुक्त

एम०यू० के माध्यम से सुविधा होगी सुदृढ़

कराने के लिए इसके इलाज की प्रक्रिया तीन चरणों में होता है। पहला चरण कास्टिंग (प्लास्टर) का होता है, जिसमें पांच से छह प्लास्टर लगाकर पैर सीधा किया जाता है। हर सप्ताह नया प्लास्टर चढ़ाया जाता है।

दूसरे चरण में टेनोटॉमी होती है, जिसमें एड़ी के पीछे छोटा सा चीरा लगाकर पैर को लचीला बनाया जाता है। तीसरे चरण में ब्रसेज की प्रक्रिया होती है। इस चरण में टेनोटॉमी के बाद बच्चों को विशेष जूते पहनाए जाते हैं।

अनुष्का फाउंडेशन की जिला समन्वयक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चे को यह जूते शुरूआती तीन महीने तक 23 घंटे प्रतिदिन पहनाए जाते हैं। केवल सोते समय एक से दो घंटे निकाले जाते हैं। यह पूरी प्रक्रिया लगभग पांच साल तक चलती रहती है और पूरी तरह से निःशुल्क होती है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के डीईआईसी मैनेजर अमित गौड़ ने बताया कि जौनपुर जनपद में इस सत्र में विभिन्न ब्लॉकों से आए 77 बच्चों का सफल उपचार किया गया। जिले में कुल अभी तक 354 बच्चों का इलाज सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इस सत्र में जिलेभर से बड़ी संख्या में बच्चे इलाज के लिए आए और निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाया।

संदेशः अनुष्का फाउंडेशन की जिला समन्वयक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि क्लबफुट का समय पर इलाज संभव है। इलाज के बाद बच्चा पूरी तरह से सामान्य जीवन जी सकता है। उन्होंने अभिभावकों से हर शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज (हड्डी विभाग) में आकर इस निःशुल्क सेवा का लाभ उठाने की अपील की है।

मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान का शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत मंगलवार को मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे, जिनमें सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या, अपना दल (एस) से लालबहादुर पटेल, बीएसपी से चंद्रेज भारती, सीपीआईएम से के.एस. रघुवंशी, कांग्रेस से अली अंसारी, शहनवाज सहित अन्य प्रतिनिधिगण शामिल रहे। कार्यक्रम में उपजिला निर्वाचन अधिकारी परमानन्द झा भी उपस्थित रहे।

18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवाओं से किया मतदान की अपील- जिलाधिकारी ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे स्कूली छात्र-छात्राओं को फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र (अनुलग्नक-4) प्रदान कर उन्हें

डीएम ने युवाओं को दिलाई मतदान की शपथ

मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जनपद के सभी पात्र युवाओं एवं छूटे हुए नागरिकों से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की अपील की।

06 जनवरी से 06 फरवरी तक चलेगा विशेष अभियान- डीएम डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक विशेष पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान जनपद में तैनात 4172 बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) पात्र मतदाताओं से आवेदन प्राप्त करेंगे।

मृतक, शिफ्टेड व डुप्लीकेट नाम होंगे विलोपित- मतदाता सूची से मृतक, स्थानांतरित एवं दोहरे नाम हटाने के लिए फॉर्म-7, जबकि नाम संशोधन, पता परिवर्तन, दिव्यांग चिन्हांकन एवं खोए हुए मतदाता पहचान पत्र के लिए फॉर्म-8 भरवाए जाएंगे।

ऑनलाइन आवेदन की भी सुविधा- मतदाता नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन के लिए ECINET मोबाइल ऐप एवं वेबसाइट voters.eci.gov.in के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। आयोग द्वारा सभी आवेदनों के निस्तारण की अंतिम तिथि 27 फरवरी 2026 तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 मार्च 2026 निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम का संचालन जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर सैयद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, उप जिलाधिकारी संतबीर सिंह, तहसीलदार सौरभ कुमार, बीएलओ, सुपरवाइजर एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय अशोकपुर कला की अर्चिता राष्ट्रीय श्रेष्ठ परीक्षा में जनपद में प्रथम

अर्चिता ने ऑल इंडिया 562वीं रैंक हासिल करके रचा इतिहास

राष्ट्रीय श्रेष्ठ परीक्षा में सुइथाकला का जनपद में रहा दबदबा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय श्रेष्ठ परीक्षा 2025 में सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय अशोकपुर कला की छात्रा अर्चिता ने ऑल इंडिया 562 वीं रैंक जनपद में पहला स्थान हासिल करके सफलता का इतिहास रचा है। इस परीक्षा में सुइथाकला ब्लॉक के विद्यालयों का जनपद में दबदबा रहा।

इसी विद्यालय के दो छात्रों सुमित कुमार और आयुष कुमार ने क्रमशः ऑल इंडिया 1618 वीं और 2413 वीं रैंक हासिल किया है। प्रधानाध्यापक सतीश कुमार सिंह ने सफलता का श्रेय बच्चों और शिक्षकों के कठिन परिश्रम व अभिभावकों के मार्गदर्शन को दिया है। इसके अलावा उच्च प्राथमिक विद्यालय सुइथाकला के तीन छात्रों शिवांगी धवल 778, दीपांशु 1236 और ब्यूटी 2603 वीं रैंक प्राप्त किया है। कंपोजित विद्यालय डीह असरफाबाद के एक छात्र रोहन ने भी ऑल इंडिया 1930 वीं रैंक प्राप्त

करके क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस परीक्षा में सफल होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने बच्चों, उनके माता-पिता और शिक्षकों के संयुक्त प्रयास को सराहा है।

बीएसए ने तीनों प्रधानाध्यापकों सतीश सिंह पारसनाथ यादव और दुष्यंत मिश्र की टीम को बधाई दी है। उन्होंने भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कहा जिससे विकासखंड क्षेत्र का प्रदेश और देश में कीर्तिमान कायम रहे। इस मौके पर खंड शिक्षाधिकारी आनंद प्रकाश सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी, डॉ राकेश चंद्र तिवारी, हृदय प्रसाद सिंह रानू, डॉ रणजीत सिंह, प्रो. रणजीत पांडेय, प्रो. अरविंद कुमार सिंह, प्रो. राकेश कुमार यादव, सुरेश पांडेय, डॉ अजेय प्रताप सिंह, विनय त्रिपाठी, डॉ अविनाश वर्मा, धर्मदेव शर्मा, डॉ. रणंजय सिंह, सुधाकर सिंह, अजय मिश्रा, पंकज सिंह, संजय सिंह, अरविंद यादव, उमेश चंद्र यादव, डॉ निशाकांत आदि लोगों ने बधाई देते हुए खुशी जताई है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत जिले भर में नारी सुरक्षा को लेकर पुलिस का जागरूकता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी 'मिशन शक्ति' अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन

में जनपद के समस्त थानों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पुलिस टीमों ने गांवों, बाजारों, स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल लगाकर महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी।

अभियान में विशेष रूप से महिला बीट आरक्षियों द्वारा महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें निडर होकर अपनी समस्याएं साझा करने के लिए प्रेरित किया गया।

महिला सुरक्षा हेल्पलाइन की दी गई जानकारी- पुलिस टीमों ने महिलाओं को आपातकालीन सहायता हेतु 112 (पुलिस सहायता), 1090 (वुमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) एवं 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) की जानकारी देते हुए इनके उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।

कानूनी अधिकारों पर किया गया जागरूक- महिलाओं को घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, साइबर अपराध, छेड़खानी एवं कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर विषयों पर लागू कानूनों की जानकारी दी गई, साथ ही कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

शिकायत करने में न डरें महिलाएं- पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की छेड़खानी या अपराध की स्थिति में बिना भय के शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस द्वारा शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

स्वावलंबन और योजनाओं की जानकारी- महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस प्रशासन का संदेश- जनपद पुलिस का उद्देश्य जिले में ऐसा सुरक्षित वातावरण तैयार करना है, जहाँ प्रत्येक महिला स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे। 'शक्ति दीदी' के माध्यम से पुलिस सीधे आमजन से जुड़कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है।

जौनपुर पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाने या संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर दें।

व्यापारियों का उत्पीड़न किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं: श्रवण जायसवाल

खेतासराय में लोक शक्ति उद्योग व्यापार मंडल का हुआ गठन

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष व महामंत्री ने नव मनोनीत पदाधिकारियों का किया स्वागत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत खेतासराय में मंगलवार को लोक शक्ति उद्योग व्यापार मंडल का गठन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल की मौजूदगी में सर्व सम्मति से कस्बा स्थित जेबी मार्ट में भव्य समारोह पूर्वक किया गया। जिसमें खेतासराय के नए अध्यक्ष के रूप में यशपाल सोनकर और राजेश गुप्ता मंजय को महामंत्री के रूप में मनोनीत

किया है। कोषाध्यक्ष के रूप में फखरुद्दीन अहमद, उपाध्यक्ष के रूप में पप्पू सोनकर, फहीम अख्तर, बबलू अंसारी को जिम्मेदारी दी गई है।

समारोह में मौजूद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी और सदस्यों का संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल व प्रदेश महामंत्री अनवारुल हक गुड्डू ने माल्यार्पण कर उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जिले के इस महत्वपूर्ण नगर पंचायत खेतासराय में लोक शक्ति उद्योग व्यापार मंडल का गठन होना बड़े गर्व की बात है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री जायसवाल ने कहा कि संगठन से जुड़ने वाला कोई भी व्यापारी छोटा बड़ा नहीं होता। हमारे लिए सड़क किनारे ठेला लगाने वाला फुटपाथ छाप दुकानदार से लेकर बड़ा शोरूम वाला भी एक बराबर है। हम संगठन में रहते हुए व्यापारी हित के लिए हमेशा संघर्ष और आंदोलन करते हैं। जिले में कहीं भी किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न होता है तो उसके लिए थाना पुलिस, तहसील से लेकर कलेक्ट्रेट मुख्यालय तक बड़ा प्रदर्शन कर धरना दिया जाएगा। उन्होंने खेतासराय की नवगठित कमेटी के सभी पदाधिकारियों से साफ शब्दों में कहा कि व्यापारी का उत्पीड़न किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके पहले उपस्थित पदाधिकारी ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल, प्रदेश महामंत्री अनवारुल हक गुड्डू, प्रदेश उपाध्यक्ष अमर बहादुर सेठ, जिलाध्यक्ष संजीव साहू को माल्यार्पण कर उनका स्वागत करते हुए नई कमेटी गठित करने के लिए उनके प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन राजेश गुप्ता उर्फ मंजय ने किया।

इस मौके पर भाजपा नेता रूपेश गुप्ता मोनू, पुष्प चौबे, सभासद अमित सोनकर, शैलेष यादव, मनीष सोनी अन्य उपस्थित रहे। इसके अलावा कमेटी में सदस्य के रूप में राजू सोनी, राम आशीष बिन्द, कृपा विश्वकर्मा, दिनेश शर्मा, फूलचंद यादव, दीपचंद सोनकर जोगिंदर राजभर, सुभाष सोनकर, मोहम्मद आसिफ, मंदीप सोनकर, रमेश सोनकर, ओम सोनी, विमलेश यादव, सुभाष चन्द सोनकर, गुरैनी अध्यक्ष हुजैफा को रखा गया है।

बुढ़ऊ बाबा के श्रींगार व विशाल भण्डारे का हुआ आयोजन

चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल गोलू ने पहुंच कर लिया बुढ़ऊ बाबा का आशीर्वाद, वितरण किया गया प्रसाद

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड में मेन रोड पर स्थित प्रसिद्ध मन्दिर बुढ़ऊ बाबा का श्रृंगार और भव्य भण्डारे का कार्यक्रम भक्त जनों द्वारा बहुत ही शानदार तरीके से किया गया। इस अवसर पर बुढ़ऊ बाबा के प्रसिद्ध मन्दिर पर लोगों नें दर्शन पूजन किया और भारी संख्या में भण्डारे में लोग उपस्थित हुवे और प्रशाद ग्रहण किया गया।

यह विशाल कार्यक्रम युवा नौजवानों द्वारा किया गया है। कार्यक्रम करनें वाले लोगों में धर्मेंद्र सोनकर, डिम्पल सोनकर, रामबृक्ष चौहान, बिहार सोनकर, सुरेश सोनकर, नारद सोनकर समाजसेवी, रितिक सोनकर, रोहित सोनकर, गिरधारी सोनकर, सोनू सोनकर, भोला सोनकर, विशाल सेठ, बृजेश सोनकर एडवोकेट, अवधेश सोनकर,

राजन सोनकर, सुजीत सोनकर, करिया सोनकर, इन लोगों के मेहनत और सहयोग से यह भव्य कार्यक्रम किया गया है। बुढ़ऊ बाबा के श्रींगार व भण्डारे में केराकत नगर पंचायत के चेयरमैन पति प्रतिनिधि यूवा नेता कृष्णा जायसवाल गोलू, शामिल हुवे और बुढ़ऊ बाबा के मन्दिर में जाकर दर्शन किए और नगर में सुख शांति रहे हाथ जोड़कर प्रार्थना किये। इस अवसर पर सभासद राजेश गुप्ता, सभासद संजय निषाद, (बाबा) समाजसेवी वेदप्रिय साहू विशाल, जय सिंह यादव, सूरज, सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हजरत सैयद उमर शाह का सालाना उर्स मुबारक धूम धाम से संपन्न

मौजूद रहे कई गणमान्य लोग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर की ऐतिहासिक बड़ी मस्जिद के पूर्वी गेट

के सामने स्थित हजरत सैयद उमर शाह रहमत उल्लाह अलैह का सालाना उर्स मुबारक आज बड़े ही धूम धाम से अपने पुराने रिवाज और रस्म से आयोजित हुआ। जिसमें दूर दराज के आस्थावान लोगों का सैलाब उमड़ा। उक्त उर्स में कई क्षेत्र के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे इनमें जफराबाद के नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि डॉक्टर सरफराज खान और कालीचबाद के चेयरमैन फिरोज अहमद मौजूद रहे।

खादिम ए आस्ताना मास्टर मेराज ने बताया कि उर्स में समस्त रस्म के बाद शाम को बाद नमाज ईशा सूफियाना कव्वाली का आयोजन किया। जहां दिल्ली और लखनऊ से आए हुए कव्वाल अपनी अपनी कव्वालियों से शमा बांधें।

उर्स मुबारक में ज्यादा से ज्यादा लोग आस्ताना ए बुजुर्ग की महफिल से आशीर्वाद ले कर अपनी अपनी मन्नते मुरादे मान कर गए।

भूमि को लेकर विवाद में दो गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंगलवार को पुलिस टीम ने जमीनी को लेकर विवाद कर रहे, की सूचना पर मौके पर पहुँची, जहाँ से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार शांति भंग में चालान न्यायालय भेज दिया। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि कस्बा के भटियारीसराय में जमीनी को लेकर हो रहे विवाद में पहुँची पुलिस टीम

ने मौके से मोहम्मद आसिफ पुत्र ग्यासुद्दीन व एयाज पुत्र एजाज अहमद निवासीगण मोहल्ला भटियारीसराय को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके विरुद्ध विधिक कार्यवाई करते हुए शांति भंग के चालान न्यायालय भेज दिया गया। इस कार्यवाई में पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनिल पाठक, हेड कांस्टेबल संजय पाण्डेय, कांस्टेबल आशुतोष तिवारी शामिल रहे।

पुलिस लाइन का एसपी ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्यों व रिक्रूट सुविधाओं का लिया जायजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने मंगलवार को पुलिस लाइन परिसर का सघन भ्रमण एवं निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य परिसर में संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के साथ-साथ पुलिस बल को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं अनुशासन व्यवस्था को और सुदृढ़ करना रहा।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन में निमार्णाधीन बहुमंजिला आवासीय भवन का स्थलीय जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रिक्रूट प्रशिक्षुओं की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यानः पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट प्रशिक्षुओं के आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की भी गहन समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रशिक्षुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा प्रशिक्षण का स्तर उच्च एवं अनुशासित बना रहे।

स्वच्छता को लेकर दिए सख्त निर्देशः स्वच्छ भारत अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ने पूरे पुलिस लाइन परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालयों, बैरकों एवं आवासीय क्षेत्रों के आसपास स्वच्छता बनाए रखी जाए, जिससे कार्यक्षमता और अनुशासन दोनों में वृद्धि हो।

निरीक्षण के दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी लाइन गोल्डी गुप्ता (आईपीएस), क्षेत्राधिकारी मछलीशहर सुश्री प्रतिमा वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा० मोहम्मद अकमल (फिजिशियन) पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ० सुनील कुमार दुबे MBBS, MS (Laproscopic Surgeon) on call)
डॉ० अबू फैसल MBBS, Ortho PGDS हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक (बृहस्पतिवार)
डॉ० एम के वर्मा P.G D.C (Delhi) (चर्म रोग विशेषज्ञ) समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ० मोहम्मद चाँद बागवान MBBS, DNB, MD (Lucknow) शूगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ० मोहम्मद अब्दुल्लाह (दाँत चिकित्सक) समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ० यसीरा अली MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon) स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility) समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ० सना अब्दुल्लाह (स्त्री रोग विशेषज्ञ) समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ. मोहम्मद अंज़र एम.बी.बी.एस. जरनल फिजिशियन

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिस्क, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

आवारा पशुओं से त्रस्त किसान, फसलों की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

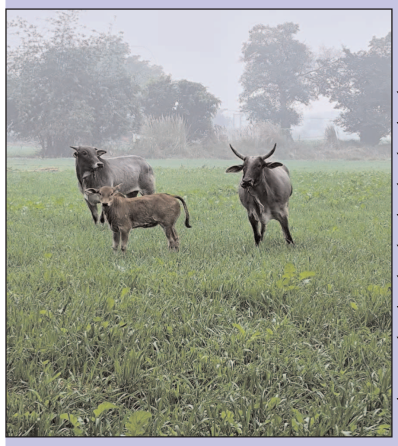

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नरहन चकरारेत में आवारा पशुओं की समस्या किसानों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। गांव और आसपास के इलाकों में घूम रहे आवारा पशु लगातार खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। किसानों के अनुसार आवारा पशु सरसों, गेहूं, आलू समेत अन्य मौसमी फसलों को बड़े पैमाने पर चर जा रहे हैं। रात के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब पशु झुंड बनाकर खेतों में घुस जाते हैं। कई किसानों ने बताया कि जब वे फसलों की रक्षा के लिए पशुओं को भगाने का प्रयास करते हैं, तो कई बार पशु आक्रामक होकर उन पर हमला तक कर देते हैं, जिससे जान-माल का खतरा बना रहता है। लगातार हो रहे नुकसान से किसान बेहद निराश और चिंतित हैं। उनका कहना है कि फसलों पर ही उनकी आजीविका निर्भर है, लेकिन आवारा पशुओं के कारण मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। किसानों ने शासन-प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर शीघ्र संज्ञान लेने की मांग की है। ग्रामीणों की मांग है कि आवारा पशुओं को पकड़कर उन्हें गौशालाओं में रखा जाए, ताकि खेतों और किसानों की फसलें सुरक्षित रह सकें। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो उनकी आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा और वे आंदोलन के लिए भी मजबूर हो सकते हैं।

अंकिता के साहस और फॉलोअप का असर, लापरवाही पर अस्सी चौकी प्रभारी निलंबित

***सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकिता गुप्ता ने तकनीक से खोला था चोरों का ठिकाना, पत्रकार के सहयोग से खुली पुलिस की पोल**

***एसीपी जांच में दोषी पाए गए चौकी प्रभारी रोहित त्रिपाठी**

वाराणसी। अस्सी घाट से सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकिता का मोबाइल चोरी होने के मामले में आखिरकार पुलिसिया लापरवाही पर कार्रवाई हुई है। प्रकरण में ढिलाई बरतने के आरोप में अस्सी चौकी प्रभारी रोहित त्रिपाठी को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई एसीपी की जांच रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी काशी जोन द्वारा की गई है। यह निलंबन न सिर्फ पुलिसिंग पर एक सवालिया निशान है, बल्कि यह भी साबित करता है कि एक जागरूक नागरिक, एक साहसी महिला और एक जिम्मेदार पत्रकार का फॉलोअप सिस्टम को झकझोर सकता है। डीसीपी काशी जोन गौरव वंशवाल ने बताया कि मामले के सामने आने के बाद एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार को जांच सौंपी गई थी।

जांच में यह स्पष्ट हुआ कि चौकी प्रभारी शिकायतकर्ता महिला के साथ मौके पर तो गए, लेकिन मोबाइल की बरामदगी के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई है।

घटना की पृष्ठभूमिः मुंबई निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकिता गुप्ता पुत्री उमेश गुप्ता अपने परिवार के साथ काशी भ्रमण पर आई थीं। 30 दिसंबर को अस्सी घाट पर भ्रमण के दौरान एक उचक्के ने उनका करीब दो लाख रुपये कीमत का आई फोन छीन लिया। घटना के तुरंत बाद अंकिता ने अस्सी पुलिस को सूचना दी। थाना भेलूपुर पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली, लेकिन इसके बाद जांच की गति ठहर गई। जब पुलिस रुकी, तब नागरिक आगे बढ़े

पुलिस की निष्क्रियता से निराश होकर अंकिता ने अपने तकनीकी ज्ञान का उपयोग किया। उन्होंने मुंबई में अपने सहयोगियों की मदद से मोबाइल को ट्रेस किया। मोबाइल की लोकेशन चांदपुर क्षेत्र में एक ही मकान पर लगातार दिखाई दे रही थी। इसी लोकेशन के आधार पर अंकिता मौके पर पहुंच गयी, पुलिस को लोकेशन भेजने के बाद भी पुलिस सक्रिय नहीं हुई. इस दौरान अंकिता ने पत्रकार सुरेश गांधी को पूरी बात बताई. पत्रकार सुरेश गांधी के हस्तक्षेप पर रात दो बजे पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोप है कि पुलिस खानापूर्ति कर लौट आई। इसके बाद अंकिता ने हार नहीं मानी। अलसुबह होते ही वह दोबारा उसी लोकेशन पर पहुंचीं। मोबाइल एक ही मकान के भीतर दिख रहा था। अंकिता व पत्रकार द्वारा मकान मालिक से आग्रह कर कमरा खुलवाया, जहां से 20-25 चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए। खास यह है जब अंकिता मोबाइलों की झुंड में अपना मोबाइल देखा तो वह खुशी से झूम उठी, भला क्यों नहीं उसकी महनत जो सफल हुई थी. मकान मालिक ने बताया कि उसने यह कमरा किसी व्यक्ति को किराये पर दिया था, जो उसी रात से फरार है।

पत्रकार का फॉलोअप बना निर्णायक

इस पूरे घटनाक्रम में पत्रकार सुरेश गांधी का सक्रिय सहयोग और पुलिसिया सूचना-तंत्र महत्वपूर्ण रहा। बरामदगी के बाद लगातार फॉलोअप, तथ्य सामने लाना और मामले को सार्वजनिक करना ही वह कारण बना, जिससे पुलिसिया जांच आगे बढ़ी और अंततः लापरवाही उजागर होकर निलंबन तक बात पहुंची। मतलब साफ है यह मामला सिर्फ एक मोबाइल चोरी का नहीं है। यह पर्यटक सुरक्षा, पुलिस की जवाबदेही और नागरिक अधिकारों का प्रश्न है।

राष्ट्रकथा महोत्सव में पहुंचे ज्ञान प्रकाश सिंह का बृजभूषण शरण सिंह ने किया सम्मान

जौनपुर। गोंडा जनपद के नवाबगंज स्थित नंदिनी निकेतन (नंदिनी नगर) में आयोजित संत रितेश्वर महाराज की राष्ट्रकथा महोत्सव में पहुंचे जौनपुर के प्रख्यात समाजसेवी तथा वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह का महोत्सव के आयोजक तथा पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने माला पहनाकर उनका सम्मान किया। जौनपुर जनपद में अनगिनत प्रेरणादायक सामाजिक कार्यों द्वारा अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके ज्ञान प्रकाश सिंह ने स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीकी और रोजगार की दिशा में काबिले तारीफ काम किया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में उनके योगदान की सर्वत्र चर्चा होती है। कोरोना संकट काल में उन्होंने जिस तरह से जनपद के लोगों की रक्षा के लिए दवाइयां और ऑक्सीजन का प्रबंध किया , उसे लोग आज भी याद करते हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने जौनपुर के लीलावती अस्पताल का जीर्णोद्धार कराया, जिसे कालांतर में प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। जौनपुर के ऐतिहासिक सीतापुर आंख अस्पताल में उन्होंने अत्याधुनिक मशीने डोनेट की, जिसके चलते अब मरीजों का निशुल्क इलाज हो रहा है। जौनपुर में भव्य राम कथाओं का आयोजन करके उन्होंने जनपद को सांस्कृतिक पहचान दी। राम मंदिर के निर्माण में सर्वाधिक व्यक्तिगत सहयोग (1 करोड़ 21 लाख रुपए) करने वाले ज्ञान प्रकाश सिंह ने राम मंदिर निर्माण के बाद गोमती नदी के किनारे एक लाख 21 हजार दीपक जलवाकर जश्न मनाया, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए। अनेक मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। 1991 में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े ज्ञान प्रकाश सिंह आज भी खुद को भाजपा का एक सिपाही मानते हैं। उनकी सामाजिक सेवाओं और जौनपुर के विकास में किए गए कार्यों को देखते हुए मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा उन्हें जौनपुर गौरव सम्मान प्रदान करने की घोषणा की गई है। फरवरी महीने में उनके दिव्य और भव्य आवास कैलाशपति में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

भाई विजेंद्र सिंह समाज सेवा में सदैव रहते हैं तत्पर

वसई (उत्तरशक्ति)। भाई विजेन्द्र सिंह का इतिहास साहित्य की भाषा में कहूँ तो व्यक्तित्व वही होता है, जो झंझावातों में दीपक की तरह बुझने के बजाय मशाल बनकर उभरे। आपने गहरी नींद में सोए हुए वार्ड क्रमांक 22 में अपनी मात्र उपस्थिति से ही ऊर्जा की लौ फूँक दी। जहाँ पहले लोग इधर-उधर भटकते हुए पक्ष-विपक्ष में समन्वय बना रहे थे, वहीं आपने ऐसी गर्माहट भर दी कि एक ही पटल पर सैकड़ों की तादाद में इच्छुक उम्मीदवार सामने आ खड़े हुए। चुनाव लड़ना, हार-जीत यह सब प्रारब्ध की बातें हैं। किंतु मूल विषय यह है कि आपकी उपस्थिति मात्र से पूरे वार्ड का वातावरण परिवर्तन की दिशा में अग्रसर हो गया। वार्ड क्रमांक 22 में चेतना की अलख जगाने वाले आप निश्चय ही बधाई के पात्र हैं। एक सामान्य कुल की देहरी से निकलकर वसई तालुका के राजनीतिक और सामाजिक क्षितिज पर अपनी मेहनत की स्याही से अपना नाम लिखना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है।

आपका व्यक्तित्व उन अडिग चट्टानों जैसा है, जिनसे टकराकर षड्यंत्रों की लहरें स्वयं ही दम तोड़ देती हैं। यह विडंबना ही है कि जो सूर्य की तरह तपता है, उसी की परछाई से विरोधियों को भय लगता है। पर आपकी निर्भीकता और ध्येय के प्रति अटूट निष्ठा ही वह कवच है, जो आपको हर बार चक्रव्यूह से सुरक्षित बाहर ले आती है। आज जब आप ब्राह्मण एवं क्षत्रिय समाज की एक प्रखर और ओजस्वी चेतना बनकर उभर रहे हैं, तो यह देखकर गर्व की अनुभूति होती है कि संस्कारों की विरासत और संघर्षों की तपिश ने आपको कुंदन बना दिया है। द्वारिकाधीश भगवान श्रीकृष्ण और शक्तिस्वरूपा माँ जीवदानी आपको वह अजेय शक्ति प्रदान करें, जिससे आप बाधाओं के हर पर्वत को सहज ही लांघ सकें। आपकी मुस्कान में वह सौम्यता बनी रहे और आपके इरादों में वह वज्र-सी दृढ़ता, जो आपको उत्तरोत्तर प्रगति के शिखर तक ले जाए। व्यक्तिगत रूप से ये मेरे शब्द मात्र नहीं, बल्कि स्नेह और आशीष का वह अर्घ्य हैं, जो सदैव आपके साथ रहेगा।

मिट्टी की महक और इरादों में फौलाद रखता है,
वह अपनी रगों में संघर्षों का इतिहास रखता है।
लाख घेरे रहें उसे साज़िशों के काले बादल,
वह अपनी आँखों में सूर्य-सा विश्वास रखता है॥

-सुबोधानंद जी महाराज (साधक)

तीसरी नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की सुमती मोगवीरा को द्वितीय स्थान

मुंबई। इंडियन योगासना स्पोर्ट्स फेडरेशन की ओर से आयोजित तीसरी नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 केरल के त्रिवेंद्रम में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 3 से 4 जनवरी 2026 के दौरान आयोजित की गई, जिसमें देशभर के उत्कृष्ट योगासन खिलाड़ियों ने भाग लिया। बता दें कि इस चैंपियनशिप में महाराष्ट्र राज्य से कुल 80 खिलाड़ियों ने सहभाग कर राज्य का प्रतिनिधित्व किया। अत्यंत कड़ी और उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा के बीच महाराष्ट्र की सुमती राजू मोगवीरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। सुमती मोगवीरा की इस उपलब्धि से महाराष्ट्र के योगासन खेल क्षेत्र के गौरव में वृद्धि हुई है। उनकी इस सफलता पर विभिन्न स्तरों से बधाइयाँ दी जा रही हैं। अपनी प्रतिक्रिया में सुमती मोगवीरा ने कहा कि यह सफलता उनके कठोर परिश्रम, निरंतर अभ्यास और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

आरबी जीआर डिग्री कॉलेज के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी का निधन, शोक

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय शहर के आरबी जीआर डिग्री कॉलेज के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी राजेश बासफोर के किडनी संबंधी बीमारी के कारण 5. जनवरी की संध्या पटना के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। राजेश बासफोर का पार्थिव शरीर महाविद्यालय महाराजगंज में लाया गया,जहां महाविद्यालय के सभी कर्मचारीओ ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पीत कर श्रद्धांजलि दिया और 2 मिनट का मौन धारण कर आत्मा की शांति के लिए अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री आफताब आलम ने कहा कि राजेश जी मेहनती और नेक दिल इंसान के व्यक्ति थे । छात्र नेता अमरेश सिंह राजपूत ने कहा राजेश जी द्वारा दी गई निष्ठावान सेवाओं एवं अमूल्य योगदान को महाविद्यालय परिवार सदैव स्मरण रखेगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मौके पर प्रोफेसर अनिल कुमार, प्रोफेसर पीके झा, प्रोफेसर नागेश्वर राम, प्रोफेसर लाल बाबू, रामायण कुमार गुप्ता, धंजीत सिंह उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री व सुपरस्टार सुरेश गोपी आज वसई में

वसई। वसई-विरार महानगरपालिका के आगामी आम चुनावों के मद्देनजर केंद्रीय पर्यटन एवं पेट्रोलियम मंत्री तथा साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार सुरेश गोपी आज, बुधवार 7 जनवरी को वसई के दौरे पर आ रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा महायुति की ओर से वार्ड क्रमांक 26 में साउथ इंडियन कम्युनिटी की एक विशेष बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक शाम 7 बजे विश्वकर्मा हॉल, वार्ड क्रमांक 26 में होगी, जिसमें सुरेश गोपी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। बैठक से पूर्व वे शाम 6 बजे अयप्पा मंदिर में दर्शन करेंगे तथा शाम 6:30 बजे अल्फांसो चर्च का दौरा करेंगे। वार्ड क्रमांक 26 से भाजपा महायुति के उम्मीदवार चारुशीला घरात (अ), एडवोकेट साधना धुरी (इ), मैथ्यू कोलासो (उ) और उत्तम कुमार (ऊ) चुनाव मैदान में हैं। इस सभा के माध्यम से उम्मीदवार साउथ इंडियन कम्युनिटी से सीधे संवाद कर अपनी भूमिका और विकास के विजन को प्रस्तुत करेंगे। वसईझविरार क्षेत्र में बड़ी संख्या में निवास करने वाली साउथ इंडियन कम्युनिटी को एक मेहनती, अनुशासित और शिक्षा-केंद्रित समुदाय के रूप में जाना जाता है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से आए लोगों ने शहर के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मंदिरों, चर्चों, सांस्कृतिक संस्थाओं, शैक्षणिक केंद्रों और विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों के माध्यम से यह कम्युनिटी शहर के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही है। इस पृष्ठभूमि में केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी की उपस्थिति को साउथ इंडियन कम्युनिटी के लिए विशेष महत्व का माना जा रहा है। पार्टी नेताओं का विश्वास है कि यह बैठक आगामी चुनावों में भाजपा महायुति को मजबूती प्रदान करेगी।

संदिग्ध परिस्थियों में युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के गोरा पट्टी गांव में मंगलवार सुबह उस समय हडकंप मच गया, जब 31 वर्षीय युवक भीम चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आई। घटना सुबह लगभग सात बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही गांव में बडी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान भीम चौहान पुत्र जटाशंकर चौहान के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब 8 वर्ष पहले हुई थी, जिससे उसकी एक पुत्री है। पारिवारिक विवादों के चलते पत्नी कुछ समय बाद उससे अलग हो गई थी। इसके बाद भीम चौहान गांव में अकेले रहकर मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहा था। ग्रामीणों के अनुसार, वह शांत स्वभाव का व्यक्ति था और किसी से उसका विवाद नहीं था। घटना की जानकारी मिलते ही रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की और पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की।

कोका-कोला इंडिया और हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज ने दिग्गजों का किया सम्मान

मुंबई। अपने बोटलिंग पार्टनर हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीबी) के साथ मिलकर कोका-कोला इंडिया ने अपने लोकली योर्स कैंपेन के माध्यम से महाराष्ट्र में किराना स्टोर एवं ढाबा संचालकों को सम्मानित करने की पहल की है। इस पहल के माध्यम से उन रिटेलर्स एवं ढाबा संचालकों के योगदान को हाईलाइट किया गया है, जो राज्य में लंबे समय से कई परिवारों और पर्यटकों की सेवा कर रहे हैं। ये कारोबारी स्थानीय व्यवस्था की रीढ़ हैं और कोका-कोला इंडिया अपग्रेडेड इन्फ्रास्ट्रक्चर, मॉडर्न रिटेल टूल्स और जमीनी स्तर पर सहयोग करते हुए इन्हें अपना समर्थन प्रदान कर रही है। पूरे महाराष्ट्र में किराना और ढाबे दैनिक आवश्यकता के उत्पादों की आपूर्ति करते हुए और परिवारों को बेहतर खाने का स्वाद देते हुए स्थानीय कारोबार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एचसीसीबी के साथ मिलकर कोका-कोला इंडिया कूलिंग इक्विपमेंट देकर, भरोसेमंद तरीके से उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए और ऑर्डर एवं इन्वेंटरी मैनेजमेंट को आसान बनाने के लिए एआई आधारित कोक बडी प्लेटफॉर्म तक पहुंच प्रदान करते हुए इन रिटेलर्स को सशक्त कर रही है। इन प्रयासों से रिटेलर्स को ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने और लगातार उच्च गुणवत्ता की सेवा प्रदान करने में मदद मिलती है।

मुंबई के लोकप्रिय ढाबे बड़े मियां के मालिक जहीर शेख ने बताया कि कैसे इस सपोर्ट से उनका काम आगे बढ़ा है। वह कहते हैं, हमारे ढाबे की शुरूआत छोटे से स्टॉल से हुई थी और कठिन परिश्रम एवं भरोसेमंद ग्राहकों के दम पर हम लगातार बढ़ रहे हैं। लीजेंड सुपर बाजार की मालकिन कीर्ति पटेल ने कहा, 55 वर्ग फीट की छोटी सी दुकान से बड़े स्टोर तक के हमारे सफर में निरंतरता और ग्राहकों के भरोसे का बड़ा योगदान रहा है। अपनी भरोसेमंद सर्विस और प्रभावी डिस्प्ले के साथ कोका-कोला पिछले 30 साल से ज्यादा समय से हमारा समर्थन कर रहा है। कोका-कोला इंडिया एंड साउथ वेस्ट एशिया के वाइस प्रेसिडेंट फ्रैंचाइज ऑपरेशंस, डेवलपिंग मार्केट्स करण अचपाल ने कहा, हमारा फोकस यह सुनिश्चित करना है कि हर टचपॉइंट पर बेवरेजेज को आसान पहुंच में, चिल्ड और रेडी टु सर्व रखा जाए। साथ ही हमारे हजारों रिटेलर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स के आर्थिक विकास को गति मिले।

मनपा चुनाव में वार्ड 22 के प्रत्याशी विजय सिंह डबलू के पक्ष में बही जनसमर्थन की बयार

-लाल शेखर सिंह

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विरार शहर महानगर पालिका के वार्ड क्रमांक 22 में बहुजन विकास आघाडी के अधिकृत उम्मीदवार विजय सिंह डबलू की भी स्थिति बहुत मजबूत दिखाई दे रही है। यहाँ का चुनावी माहौल इस वक्त साफ संकेत दें रहा है कि जनता किसके साथ खड़ी है। उत्तरभारतीय विकास संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पांडे, के.पी. शर्मा, शैलेश तिवारी, अजय सिंह ठाकुर, श्याम नारायण सिंह, कुंवर संजय सिंह, सतीश सिंह जैसे समाज के गणमान्य जनों का कहना है कि बीते 15 वर्षों से महानगर पालिका की सत्ता संभाल रही बहुजन विकास आघाडी को इस बार भी सर्व समाज का खुला और मजबूत समर्थन मिल रहा है।

दलित, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, समाज के साथ उत्तर भारतीय समाज, के साथ साथ आदिवासी और सामान्य वर्ग के नागरिक एक सुर में कहते नजर आ रहे हैं कि बहुजन विकास आघाडी ने सिर्फ सत्ता नहीं चलाई, बल्कि जमीन पर विकास करके दिखाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते 15 सालों में पानी,सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुबिधाओं को लेकर जो काम हुआ, वह जनता के सामने है। इसी वजह से वार्ड क्रमांक 22 में इस बार बहुजन विकास आघाडी के प्रत्याशी के पक्ष में खड़ी दिखाई दे रही है। बहुजन विकास आघाडी सदैव सेवा की राजनीति करती चली आ रही है यही कारण है कि जनता का भरोसा अब भी बहुजन विकास आघाडी के प्रति बना हुआ है। वसई-विरार महानगर चुनाव में भी वार्ड 22 सहित सभी वार्डों में जनता का भारी समर्थन बहुजन आघाडी के प्रत्याशियों के प्रति दिखाई दे रहा है। गलियों, चौक -चौराहों और बस्तियों में उमड़ रही भारी भीड़ और जन चर्चा से यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि जनता ने बहुजन विकास आघाडी को भारी जीत दिलाने का मूड बना लिया है। लोगों का साफ कहना है कि जिसने 15 साल काम किया, वही आगे भी करेगा। राजनितिक विश्लेषकों की माने तो अगर यही माहौल मतदान तक बना रहा, तो वार्ड नंबर 22 में बहुजन विकास आघाडी की स्थिति बेहद मजबूत मानी जा रही है। अब देखना यह है कि बहुजन विकास आघाडी के प्रत्याशियों के पक्ष में दिखाई देता यह जन समर्थन मतदान के दिन किस तरह के नतीजों में तब्दील होता है।

राडो ने कैटरीना कैफ और ऋतिक रोशन के साथ टुगेदरनेस का जश्न मनाया

मुंबई। अपने नए कैंपेन के लिए राडो अपने दो जाने-माने ग्लोबल एंबेसडर कैटरीना कैफ और ऋतिक रोशन को एक विजुअल क्रिएशन में साथ लाया है, जहाँ दो दुनियाएँ, जो हर तरह से एक-दूसरे से अलग हैं, एक-दूसरे की ओर खिंची चली आती हैं और आखिरकार जुड़ जाती हैं। मशहूर एक्टर्स के साथ राडो के पहले कोलैबोरेशन की सफलता के बाद, स्विस घड़ी निमार्ता एक शक्तिशाली नई कहानी पेश कर रहा है दो अलग-अलग रास्ते, दो विपरीत ऊजाएँ, जो एक अनोखी और आवश्यक शक्ति से एकजुट होती हैंः राडो एंकर, जो निरंतरता, सटीकता और जुड़ाव का प्रतीक है। यह कैंपेन कैटरीना और ऋतिक की पर्सनल दुनिया को दिखाता है, जिनमें से हर एक उनकी समझ और कलात्मक पहचान से बनी है। कैटरीना कर्व्स और रोशनी के एक आर्किटेक्चरल लैंडस्केप में दिखाई देती हैंः सफेद और बेज रंग के पर्दों से ढकी हवादार मेहराबों की एक भूलभुलैया। यह हवा में तैरती जगह, जो पवित्रता, सुंदरता और हल्केपन का प्रतीक है, उनके खास व्यक्तित्व को दिखाती है। उनकी कलाई पर, चमकती हुई सेंट्रिक्स डायमंड्स घड़ी एक्ट्रेस की नजाकत और उनके बेहतरीन माहौल की कोमलता दोनों को दिखाती है।

इसके विपरीत, ऋतिक एक रॉ, ऑर्गेनिक और इंटेंस माहौल में नजर आते हैं। समय से बनी ज्वालामुखी चट्टानों की आकृतियाँ उन्हें घेरे हुए हैं और उनकी यात्रा को परिभाषित करने वाली गहराई, ताकत और खोज की भावना को दशार्ती हैं। उन्होंने कैप्टन कुक हाई-टेक सिरेमिक क्रोनोग्राफ पहनी है, जो एडवेंचर के लिए बनाई गई घड़ी है, जिसकी मजबूत लाइनें ऊर्जा और व्यक्तित्व की इस दुनिया से मेल खाती हैं। ये दोनों दुनियाएँ पहले तो समानांतर चलती हुई लगती हैं, कभी एक-दूसरे को नहीं छूतीं। और फिर भी, एक सूक्ष्म शक्ति उन्हें जबरदस्ती एक-दूसरे की ओर खींचती है। वह शक्ति राडो एंकर है झ यह सिर्फ.एक प्रतीक से कहीं ज्यादा है, यह एक पहचान है। आज सभी राडो ऑटोमैटिक घड़ियों पर मौजूद, एंकर सटीकता, विश्वसनीयता और निरंतरता का प्रतीक है। यह संतुलन का वह अटल बिंदु है जो समय से परे है और दुनिया को जोड़ता है। कैंपेन में, यह केंद्रीय तत्व बन जाता है, वह चुंबकीय दिल जो कैटरीना और ऋतिक को एक नई दुनिया की ओर ले जाता हैः एक ऐसी जगह जहाँ अंतर खत्म होते हैं, जहाँ ऊजाएँ एक-दूसरे की पूरक बनती हैं, जहाँ रास्ते मिलते हैं। कैटरीना और ऋतिक की मुलाकात सिर्फ प्रत्यक्ष नहीं है झ यह गति, जुड़ाव और राडो की टाइमलेस ब्यूटी से बने एक सामंजस्यपूर्ण नए माहौल के निर्माण का प्रतीक है।

इस नए कैंपेन के जरिए, राडो अपनी फिलोसॉफी को व्यक्त करता हैः हर घड़ी खोजने, महसूस करने, रिश्ते बनाने का एक निमंत्रण है। चाहे कोमलता हो या मजबूती, हल्कापन हो या टिकाऊपन, नाजुकता हो या बोल्डनेस, राडो टाइमपीस लोगों को उनकी अपनी यात्राओं में साथ देता है और यह दिखाता है कि क्या चीज उन्हें एक साथ लाती है।

बढ़ते सोशल मीडिया ट्रेंड्स, युवा लड़के-लड़कियां अश्लील शब्दों और गालियों से व्यूज बढ़ा रही हैं

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। नसोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक नया और चिंताजनक ट्रेंड उभर रहा है,जहां नवयुवक लड़के और लड़कियां अपने कंटेंट में अश्लील शब्दों,गालियों और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके व्यूअर्स और फॉलोअर्स बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि यह ट्रेंड न केवल युवाओं की भाषा और व्यवहार को प्रभावित कर रहा है,बल्कि समाज की नैतिकता पर भी सवाल उठा रहा है।क्या यह लोकप्रियता की दौड़ में गिरावट का संकेत है,या डिजिटल दुनिया की कड़वी हकीकत । सोशल मीडिया पर प्रभावशाली बनने की होड़ में कई युवा इंफ्लुएंसर्स अब पारंपरिक कंटेंट से हटकर विवादास्पद तरीके अपना रहे हैं।उदाहरण के तौर पर, टिकटॉक,इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर वीडियोज में खुले तौर पर गालियां देना, अश्लील जोक्स मारना या दूसरों को ट्रोल करना आम हो गया है।एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कुवैत में किशोरों पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव से उनकी भाषा में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल बढ़ा है,और यह वैश्विक समस्या बन रही है।इसी तरह,ब्रिटेन में बीबीसी की जांच से सामने आया ि

क टिकटॉक पर राजनीतिक नेताओं को गाली देने वाले कंटेंट को ज्यादा पुश किया जा रहा है,जिससे युवाओं में यह ट्रेंड बढ़ रहा है। यह सब व्यूज और एंगेजमेंट के लिए हो रहा है, इंफ्लुएंसर्स बिना किसी हिचक के गालियां और अश्लील भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं। बिना समाज या बच्चों के प्रभाव पर सोचे। यह ट्रेंड विशेष रूप से 15-25 साल के युवाओं में देखा जा रहा है,जहां लड़के और लड़कियां दोनों ही शामिल हैं।कुछ मामलों में,यह सेक्सटिंग या हानिकारक यौन व्यवहार तक पहुंच जाता है,जैसा कि एक अध्ययन में सामने आया कि किशोरों में अपमानजनक सेक्सटिंग बचपन की दुर्व्यवहार से जुड़ी हो सकती है। सरकारें और प्लेटफॉर्म्स क्या कर रही हैं? भारत में,सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोशल मीडिया कंपनियों को अपमानजनक कंटेंट पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं,लेकिन कार्यान्वयन में कमी है। ब्रिटेन में,सेक्शन 127 एक्ट के तहत अश्लील या धमकी भरी मैसेजेस को अपराध माना जाता है। फिर भी, विशेषज्ञों का मानना है कि पैरेंट्स,स्कूल्स और युवाओं को खुद जागरूक होने की जरूरत है। दुनिया कहां जा रही है। जब लोकप्रियता के लिए नैतिकता को ताक पर रखा जा रहा हो,तो क्या हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो संवेदनशीलता से दूर हो रही है?समाज को इस पर विचार करने की जरूरत है,वरना डिजिटल दुनिया की यह विषाक्तता वास्तविक जीवन को भी प्रभावित करेगी।

हिंदुओं पर हमलों के विरोध में शिवसेना ने बांग्लादेश का झंडा फूंका

जम्मू ।शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई ने बांग्लादेश में जारी हिन्दुओ पर हमलों के विरोध में आज जम्मू में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया तथा बांग्लादेश का झंडा फूंका। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मनीश साहनी के नेतृत्व में एकत्रित शिव सैनिकों ने 'बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करो' ' शेख हसीन समेत बांग्लादेशियों को वापिस भेजो', 'कटरपंथियों पर सर्जिकल स्ट्राइक करो' प्लेकार्ड पकड़कर जोरदार प्रदर्शन किया। साहनी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। पिछले 18 दिनों में 6 हिंदुओं की निर्मिम हत्या हो चुकी है। महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। विधवा हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार जैसी घिनौनी हरकतों को अंजाम दिया जा रहा है। साहनी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी चुप्पी तोड बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित बनाए।पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश के कटरपंथियों पर भी जोरदार सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया जाए। इस मौके पर विकास बख्शी, संजीव कोहली, राज सिंह, बलवंत सिंह, राजू कपूर, आदित्य महाजन, जसबीर सिंह , शिशपाल, गणेश कुमार आदि उपस्थित थे।

चडीएफसी बैंक स्मार्टगेटवे पेमेंट प्लेटफॉर्म सीबीडीसी के साथ हुआ इंटीग्रेट

पटना। एचडीएफसी बैंक ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी), डिजिटल रुपया को अपने ऑनलाइन मर्चेंट पेमेंट प्लेटफॉर्म, स्मार्टगेटवे में इंटीग्रेट करने की घोषणा की है। यह इंटीग्रेशन मर्चेंट को एचडीएफसी बैंक चेकआउट इकोसिस्टम के अंदर ग्राहकों को एक सुरक्षित, बिना किसी लागत वाला और सरकार समर्थित डिजिटल पेमेंट ऑप्शन देने में सक्षम बनाता है। इस सुधार के साथ, स्मार्टगेटवे मर्चेंट अब यूपीआई, कार्ड और नेट बैंकिंग जैसे मौजूदा पेमेंट तरीकों के साथ-साथ डिजिटल रुपये के जरिए बिना किसी ट्रांजैक्शन लागत के पेमेंट स्वीकार कर सकते हैं।